राष्ट्रीय शिक्षा नीति : 2020

चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली (CBCS)

के अंतर्गत

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यचर्या-संरचना (LOCF)

ज्ञान शांति मैत्री

फिल्म अध्ययन

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित)

गांधी हिल्स,वर्धा-442001, महाराष्ट्र,भारत

वेबसाइट: http://www.hindivishwa.ac.in

विद्यापीठ:साहित्य **विभाग/केंद्र: फिल्म अध्ययन**

अध्यक्ष / HEAD

प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग

Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

M.G.A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

पाँच वर्षीय स्नातक कार्यक्रम

अनुक्रम

1.	विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)
2.	विद्यापीठ की कार्य-योजना (Planning of the School)
3.	विभाग/केंद्र के कार्यक्रम (Programmes of the Department/Centre)
4.	कार्यक्रम के लक्ष्य (Targets of the Programme)
5.	कार्यक्रमकोड (Code of the Programme):
6.	कार्यक्रम-संरचना (Programme Structure)
7.	पाठ्यचर्या-संरचना (Course Structure)
8.	पाठ्यचर्या-विन्यास(Design of the Course)
9.	अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs):
10.	पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse)
11.	शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)
12.	अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes- CLOs)
13.	पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम की मैट्रेक्स (Course Learning Outcome Matrix)
14.	मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning)
15.	अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

1.विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधानसंख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना;हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना;देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना;हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद,निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान,शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना;विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना;और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना,होगा।]

2. विद्यापीठ की कार्य-योजना (Planning of the School):

साहित्य विद्यापीठ विश्वविद्यालय अधिनियम के अंतर्गत स्थापित प्रारम्भिक चार विद्यापीठ में से एक है. हिंदी साहित्य का भारतीय तथा विश्व भाषाओं के साथ संवाद, तुलनात्मक अध्ययन, शोध एवं प्रदर्शनकारी कलाओं (फिल्म एवं भिवेटर) का अध्ययन एवं शोध इस विद्यापीठ की अभीष्ट गतिविधियाँ है। विद्यापीठ की मूल संकल्पना देश दुनिया के भाषायी एवं साहित्यिक वैविष्य के पीछे सक्रिय समान मानवीय मस्तिष्क और उसकी सृजनशीलता एवं साम्य की धारणा पर अवलम्बित है। और साहित्य अनेक और बहुविध हैं, किंतु उनका सर्जकमानस और आस्वादकचित्त अपने संस्कारों के भेद के बावजूद बुनियादी प्रकृति में एक-सा है। इस कारण विभिन्न भाषाओं के साहित्य के बीच संवाद की अपार संभावनाएं है। इन संभावनाओं कासन्धान और शोध विद्यापीठ की प्राथमिकता है। इसके अकादमिक उद्देश्यों की उपलब्धि के साथ राष्ट्रीय भावात्मक एकता तथा मानवीय सह-भाव की सम्पुष्टि भी अभीक्षित है।

साहित्य समावेशी विद्या है। ज्ञान के विभिन्न अनुशासनों और कलाओं के साथ उसका घनिष्ठ एवं प्रगाढ़ संबंध परम्परा मान्य है। नयी प्रौद्योगिकी और मीडिया ने भी साहित्य का अपरिहार्य संबंध विकसित हुआ है। इस दृष्टि से अन्तरानुशासनिक अध्ययन एवं शोध साहित्य विद्यापीठ की प्राथमिकताओं में है। एकल साहित्य अध्ययन तुलनात्मक भारतीय साहित्य तथा प्रदर्शनकारी कलाओं का अध्ययन एवं शोध विद्यापीठ की प्रतिश्रुति है।

3.विभाग/केंद्र के कार्यक्रम (Programmes of the Department/Centre):

श्रेणी (Category)	कार्यक्रम (Programmes)
शिक्षण कार्यक्रम TeachingProgramme	❖ सर्टिफिकेट (Certificate) ❖ डिप्लोमा (Diploma) ❖ स्नातक (Graduate) ❖ विशेषस्नातक(SpecialGraduate) ❖ शोध सहितस्नातक(Graduatewith Research) /परास्नातक (Post Graduate)*

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M.G.A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

शोध कार्यक्रम **Research Programme**	
शोध-परियोजना(यदि कोई है) **Research Project**(if any)	
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) **Publication Plans** (if any)	

*प्रस्तावित।

4. कार्यक्रम के लक्ष्य (Targets of the Programmes):

(200 शब्दों से अनधिक : Not more than 200 words)

ज्ञान सम्बन्धी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोज़गार संबंधी
कला की भारतीय अवधारणा से सम्बंधित ज्ञान अर्जित करना . सिनेमाई कला के सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व को समझते हुए छात्रों के भीतर इसके प्रति समझ और विवेक विकसित करना जिसके फलस्वरूप छात्रों के भीतर बेहतर जीवन मूल्यों का निर्माण होगा एवं भावनात्मक तथा सांस्कृतिक एकता की भावना संपुष्ट होगी।	साहित्य और सिनेमा के बीच अंतर्संबंध स्थापित करते हुए छात्रों के भीतर सिनेमाई शिल्प एवं भाषा के प्रति समझ विकसित होगी . सिनेमाई कला की संरचनात्मक विशिष्टताएं(संपादन,छायांकन,निर्देशन, ध्वनी रचना,पटकथा लेखन) एवं उसके विकास यात्रा से सम्बंधित जानकारी छात्रों को दी जायेगी . सूचना एवं प्रौद्योगिकी के विकास के साथ ही वर्तमान समय में सिनेमा ने अपने दायरे का विकास भी किया है अतः विभिन्न माध्यमों मे इसके स्वरुप और इसकी संरचनात्मक विशिष्टताओं की ओर भी छात्रों क विकास किया जाएगा .	1.डिजिटल रूप से दृश्य श्रव्य कंटेंट निर्माण कर रहे केन्द्रों में 2.विभिन्न फिल्म प्रोडक्शन हाउसेस में 3.देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में जहां फिल्म अध्ययन एवं फिल्म निर्माण से जुड़े विभाग हैं 4.फिल्म डिवीज़न,एन एफ डी सी एवं पी एस बी टी एवं अन्य संस्थाओं के माध्यम से विभिन्न विषयों पर वृत्तचित्र निर्माण करना 5.वर्तमान समय में डिजिटल फिल्म निर्माण मे स्वरोजगार की कई संभावनाएं हैं

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

5.कार्यक्रम कोड (Code of the Programme): BFS

कार्यक्रम का नाम : पाँच वर्षीय स्नातक (फिल्म अध्ययन)

(Name of theProgramme)- **Five year integrated programme in Film Studies**

कार्यक्रम कोड : BFS

(Code of theProgramme

6. कार्यक्रम-संरचना (Programme Structure):

6.1 स्नातक कार्यक्रम-संरचना (Graduate Programme Structure):

क्र	कार्यक्रम संरचना का विवरण	प्रथम वर्ष (निष्क्रमणविकल्प) उपाधि	द्वितीय वर्ष (निष्क्रमणविकल्प) उपाधि	तृतीय वर्ष (निष्क्रमणविकल्प) उपाधि	चतुर्थ वर्ष (निष्क्रमणविकल्प) उपाधि	पंचम वर्ष
1	तीनवर्षीय कार्यक्रम-संरचना (01वर्ष+01 वर्ष +01 वर्ष)	सर्टिफिकेट	डिप्लोमा	स्नातक	--	--
2	चार वर्षीयकार्यक्रम-संरचना (01वर्ष+01 वर्ष +01 वर्ष+01 वर्ष)				विशेष स्नातक	--
3	पाँच वर्षीयकार्यक्रम-संरचना (01वर्ष+01 वर्ष +01 वर्ष+01 वर्ष+01 वर्ष)					शोध/विशेषज्ञता सहित स्नातक अथवा परास्नातक*
4	पाँच वर्षीयकार्यक्रम-संरचना (01वर्ष+01 वर्ष +01 वर्ष+02 वर्ष)				शोध/विशेषज्ञता सहित स्नातक अथवा परास्नातक*	

*प्रस्तावित

6.2शोध कार्यक्रम-संरचना (Research Programme Structure):

1	पी-एच.डी. (Ph.D.)	प्रथम विकल्प:विशेष स्नातक के लिए
		द्वितीय विकल्प:शोध/विशेषज्ञता सहित स्नातक अथवा परास्नातक के लिए

7. पाठ्यचर्या-संरचना(Course Structure):

पाठ्यचर्या संरचना के लिए निम्नलिखित निर्देशों(Directions) पर ध्यान दें:

1. प्रत्येक कार्यक्रम के अंतर्गत पाठ्यचर्याओं के दो प्रकार होंगे- (i) मूल (Core) (ii) ऐच्छिक (Elective)।
2. मूल और ऐच्छिक के बीच प्रथम तीन वर्ष तक 70:30 का अनुपात होगा। चतुर्थ वर्ष में यह अनुपात 80:20 एवं पंचम वर्ष में 100:00 होगा।
3. मूल एवं ऐच्छिक दोनों ही पाठ्यचर्याओं में से प्रत्येकपाठ्यचर्या स्वयं में पूर्ण होनी चाहिए।
4. मूल पाठ्यचर्याएँ कार्यक्रम के प्रत्येक वर्ष के दोनों सेमेस्टर के लिए निश्चित रहेंगी,किंतु प्रत्येक सेमेस्टर की पाठ्यचर्याएँ परस्पर संबद्ध अथवा सुसंगत रहनी चाहिए। ये पाठ्यचर्याएँ प्रत्येक सेमेस्टर और वर्ष की कार्यक्रम योजना के अनुसार क्रमश: प्रगामी एवं स्तरित होनी चाहिए,क्योंकि प्रत्येक वर्ष की पाठ्यचर्या निर्धारित अधिगम परिणाम प्रस्तुत करने वाली तथा निष्क्रमण हेतु उपाधि की दृष्टि से भी परिपूर्ण होनी चाहिए।
5. मूल पाठ्यचर्याओं में से कोई पाठ्यचर्या,आवश्यक होने पर,ऐच्छिक पाठ्यचर्या में भी रखी जा सकती है।
6. ऐच्छिक पाठ्यचर्याएँ वर्ष की दृष्टि से स्वतंत्र होंगी। किसी भी ऐच्छिक पाठ्यचर्या का चयन किसी भी वर्ष का कोई भी विद्यार्थी किसी भी वर्ष में कर सकता है। किंतु,ऐच्छिक पाठ्यचर्याएँ भी प्रत्येक सेमेस्टर के लिए निश्चित रहेंगी।
7. प्रत्येक कार्यक्रम एवं पाठ्यचर्या की कोडिंग पद्धति समान होगी और विश्वविद्यालय स्तर पर इसकी मॉनिटरिंग आवश्यक होगी। कार्यक्रम की कोडिंग विश्वविद्यालय,विद्यापीठ,विभाग/केंद्र एवं कार्यक्रम के प्रथम अक्षर के रोमन-वर्ण से निर्मित होगी;इसमें कुल चार रोमन-वर्ण होंगे। पाठ्यचर्या की कोडिंग के लिए कार्यक्रम कोड के साथ पाठ्यचर्या के निर्दिष्ट तीन अंक दिए जाएँगे। मूल पाठ्यचर्या में पहला अंक कार्यक्रम वर्ष का द्योतक होगा,दूसरा अंक सेमेस्टर और तीसरा अंक पाठ्यचर्या-विशेष का द्योतक होगा। सभी ऐच्छिक पाठ्यचर्याओं में प्रथम अंक शून्य होगा,दूसरा अंक सेमेस्टर और तीसरा अंक पाठ्यचर्या-विशेष का द्योतक होगा।
8. प्रत्येक मूल पाठ्यचर्या के लिए किसी भी सेमेस्टर के अंतर्गत निर्धारित परिसीमा में विभाग/अध्ययन-मंडल को क्रेडिट निर्धारण की स्वतंत्रता होगी।
9. प्रत्येक क्रेडिट के लिए शिक्षण के घंटे 15 होंगे। प्रत्येक सेमेस्टर में 90 शिक्षण कार्य-दिवस होंगे। अत: किसीभी पाठ्यचर्या के लिए निर्धारित क्रेडिट हेतु कार्यभार का वितरण उक्त समयावधि को दृष्टिगत रखते हुए किया जाना चाहिए।
10. प्रत्येक कार्यक्रम के अंतर्गत पाठ्यचर्याओं का निर्धारण करते हुए यह ध्यान रखना आवश्यक है कि उनमें ज्ञान/बोध तथा कौशल/अभ्यास का समुचितअनुपात हो। यह अनुपात कार्यक्रम के स्वरूप के अनुसार 50:50 से लेकर 80:20 तक हो सकता है।

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts(Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय,वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

11. प्रत्येक कार्यक्रम के प्रत्येक निष्क्रमण बिंदु पर विद्यार्थी को निश्चित दक्षता/कौशल अथवा नियोजन-क्षमता अर्जित होनी चाहिए। पाठ्य-संरचना निर्धारित करते समय इसे अनिवार्यत: दृष्टिगत रखा जाना चाहिए।

उपरिलिखित निर्देशों के मुख्य बिंदुओं को निम्नलिखित तालिका से भी समझा जा सकता है-

पाठ्यचर्या-संरचना-तालिका

वर्ष	सेमेस्टर	पाठ्यचर्या का प्रकार एवं अनुपात		क्रेडिट वितरण (कुल क्रेडिट : प्रति सेमेस्टर 20)		पाठ्यचर्या (Course)	ज्ञान/बोध तथा कौशल/अभ्यास का अनुपात	अधिगम परिणाम	
		मूल Core)	ऐच्छिक Elective)	मूल	ऐच्छिक				
प्रथम	I	70	30	12	08	पाठ्यचर्याओं की क्रेडिट निर्देश : 8 के अनुसार होगी।	पाठ्यचर्याओं का अनुपात निर्देश : 10 के अनुसार होगा।	प्रत्येकपाठ्यचर्या से शिक्षार्थी को प्राप्य अधिगम परिणाम तथा वर्षांत में निष्क्रमण बिंदु पर अर्जित दक्षता/कौशल/ नियोजन क्षमता का उल्लेख किया जाएगा।	
	II	70	30	12	08				
द्वितीय	I	70	30	12	08				
	II	70	30	12	08				
तृतीय	I	70	30	12	08				
	II	70	30	12	08				
चतुर्थ	I	80	20	16	04				
	II	80	20	16	04				
पंचम	I	100	00	20	00				
	II	100	00	20	00				

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा.

स्नातक पाठ्यक्रम, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप

फिल्म अध्ययन विभाग, साहित्य विद्यापीठ

वर्ष	छमाही	मूल पाठ्यचर्या	क्रेडिट	ऐच्छिक पाठ्यचर्या	क्रेडिट	कुल क्रेडिट
प्रथम वर्ष (सर्टिफिकेट)	प्रथम	भारतीय सिनेमा का इतिहास History Of Indian Cinema	04	सिनेमा में गांधी Gandhi and Cinema	04	12+8
		कला विवेचन एवं सौन्दर्य Interpreting art and aesthetics	04	स्वतंत्रता आंदोलन और भारतीय सिनेमा Indian cinema and Independence Movement	04	
		फिल्म निर्माण पूर्व की प्रक्रिया Pre Production	04			
	द्वितीय	विश्व सिनेमा का इतिहास History of world cinema	04	सत्यजित रे का सिनेमा Cinema of Satyajit Ray	04	12+8
		फिल्म आस्वादन Film Appreciation	04	ईरानी सिनेमा Iranian Cinema	04	
		सिने भाषा एवं तकनीक Cinematic Language and Technology	04			
द्वितीय वर्ष (डिप्लोमा)	तृतीय	सिनेमा के सिद्धांत Theories of Cinema	04	फिल्म अभिनय Film Acting	04	12 +8
		अभिनय के सिद्धांत एवं पद्धतियाँ Acting theory and technique	04	दृश्य-श्रव्य लेखन Audio-Visual writing	04	
		हिंदी भाषा के प्रमुख फिल्मकार Important Filmmakers-Hindi Cinema	04			
	चतुर्थ	सिनेमा के विविध आयाम Dimensions of Cinema	04	फिल्म आस्वादन Film Appreciation	04	12 +8
		समकालीन फिल्म जॉनर Contemporary film Genre	04	मोबाईल फिल्म निर्माण Mobile Film Making	04	
		फिल्म निर्माण Production	04			
तृतीय वर्ष (स्नातक)	पंचम	भारतीय भाषाओं का सिनेमा Cinema of Indian Languages	04	समानांतर सिनेमा Parallel Cinema	04	12 +8
		सिनेमा की विविध धाराएं Cinematic Movements	04	रूपांतरण Adaptation/Translation	0 4	

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

		पोस्ट प्रोडक्शन Post Production	04			
	षष्ठम	विश्व के प्रमुख फिल्मकार Important Filmmakers-World Cinema	04	फिल्म सेंसरशिप Film Censorship	04	12 +8
		वित्तचित्र निर्माण (व्यावहारिक) Documentary Filmmakirg(Practical)	04	प्रामाणिक सिनेमा Documentary Films	04	
		फिल्म निर्देशन Film Direction	04			
चतुर्थ वर्ष (स्नातक प्रतिष्ठा)	सप्तम	फिल्म वितरण एवं विपणन Film Marketing and Distribution	04	फिल्म समीक्षा एवं पत्रकारिता Film Review and Journalism	04	16+4
		हिंदी सिनेमा में संगीत Music in Hindi Cinema	04			
		फिल्म अध्ययन में शोध-I Research in film Studies -I	04			
		कला संरक्षण Art Restoration	04			
	अष्टम	रूपांतरण Adaptation/Translation	04	विज्ञापन फिल्में Advertisement films	04	16 +4
		फिल्म अध्ययन में शोध-II Research in Film Studies -.I	04			
		वृत्तचित्र Documentary film	04			
		शैक्षणिक भ्रमण एवं परियोजना कार्य Educational Tour and Project Work	04			
कुल क्रेडिट			104		56	160

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalay, Wardha

8.पाठ्यचर्या-विन्यास(Design of the Course): BFS 101

पाठ्यचर्या का नाम(Name of the Course): भारतीय सिनेमा का इतिहास

पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course): **BFS 101**

क्रेडिट(Credit):04

सेमेस्टर(Semester):प्रथम

पाठ्यचर्या विवरण(Description of the Course):

- भारत में सिनेमाई शैली
- तकनीक एवं विषयवस्तु के उत्थान को क्रमवत जानकारी

9.अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs): (Programme Learning Outcomes)

(विभाग स्नातक कार्यक्रम के अभीष्ट परिणाम का उल्लेख अधिकतम 200 शब्दों में करेगा।)

i) ज्ञान/बोध संबंधी: कला की भारतीय अवधारणा से सम्बंधित ज्ञान अर्जित करना.सिनेमाई कला के सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व को समझते हुए छात्रों के भीतर इसके प्रति समझ और विवेक विकसित करना जिसके फलस्वरूप छात्रों के भीतर बेहतर जीवन मूल्यों का निर्माण होगा एवं भावनात्मक तथा सांस्कृतिक एकता की भावना संपुष्ट होगी।

ii) कौशल/अभ्यास संबंधी: साहित्य और सिनेमा के बीच अंतर्संबंध स्थापित करते हुए छात्रों के भीतर सिनेमाई शिल्प एवं भाषा के प्रति समझ विकसित होगी . सिनेमाई कला की संरचनात्मक विशिष्टताएं(संपादन,छायांकन,निर्देशन,ध्वनी रचना,पटकथा लेखन) एवं उसके विकास यात्रा से सम्बंधित जानकारी छात्रों को दी जायेगी . सूचना एवं प्रौद्योगिकी के विकास के साथ ही वर्तमान समय में सिनेमा ने अपने दायरे का विकास भी किया है अतः विभिन्न माध्यमों मे इसके स्वरुप और इसकी संरचनात्मक विशिष्टताओं की ओर भी छात्रों का विकास किया जाएगा

ii) नियोजन/रोजगार संबंधी: डिजिटल रूप से दृश्य श्रव्य कंटेंट निर्माण कर रहे केन्द्रों में
विभिन्न फिल्म प्रोडक्शन हाउसेस में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में जहां फिल्म अध्ययन एवं फिल्म निर्माण से जुड़े विभाग हैं
फिल्म डिवीज़न,एन एफ डी सी एवं पी एस बी टी एवं अन्य संस्थाओं के माध्यम से विभिन्न विषयों पर वृत्तचित्र निर्माण करना
वर्तमान समय में डिजिटल फिल्म निर्माण मे स्वरोजगार की कई संभावनाएं हैं

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya

10. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Con ents of theCourse):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में):				कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		कक्षा-शिक्षण/ व्याख्यान (ऑफलाइन-ऑनलाइन)	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/क्षेत्र-कार्य(Interaction/ Training/ Laboratory/Field Work)	कौशल विकास गतिविधियाँ (Skill Development Activities)		
मॉड्यूल-1	-विश्व में सिनेमा का आगमन -प्रमुख यंत्र (काइनेटोस्कोप एवं अन्य)	10	2	3	0	15	25
मॉड्यूल-2	भारत में सिनेमा का आगमन -1899 से 1913 के बीच के प्रमुख फ़िल्मकार -दादासाहेब फालके -हीरालाल सेन	10	2	3	0	15	25
मॉड्यूल-3	-मूकसिनेमा 1913 से 1934 -प्रमुख फ़िल्मकार एवं स्टुडियो सिस्टम (न्यू थियेटर एवं बॉम्बे टॉकीज)	10	2	3	0	15	25
मॉड्यूल-4	सवाक सिनेमा एवं प्रमुख फ़िल्मकार	0	2	3	0	15	25
योग		40	8	12		60	100

11. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केन्द्रित अभिगम ,कक्षागत व्यवख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्यख्यान विधि ,विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	• कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान • ट्यूटोरियल/संवाद • प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य • कौशल विकास गतिविधियाँ • अन्य (विवरण दें)

12.अपेक्षित अधिगम परिणाम(Course Learning Outcomes-CLOs):

- सिनेमा के आरंभ काल के फ़िल्मकार
- दृश्य श्रव्य कला के इतिहास के रैखीक प्रगति की जानकारी
- सिनेमाई भाषा के विकास की जानकारी

13. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम कीमैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix):

कार्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8...
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	x	x	x					

* उपलब्ध लक्ष्य के कॉलम में () चिह्न लगाएँ।

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

14. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (30%)			सत्रांत परीक्षा (70%)
घटक	संगोष्ठी पत्र	सत्रांत पत्र	
निर्धारित अंक	15	15	
पूर्णांक	30		70

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

*विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

15.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ.को
(Textbooks/References/Resources):

क्र.सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• चड्ढा, मनमोहन ,हिंदी सिनेमा का इतिहास ,सचिन प्रकाशन 1998 • भार्गव,अनिल,भारतीय सिनेमा का इतिहास 2002 • A History of the Cinema: From its Origin to 1970 by Eric Rhode
2	संदर्भ-ग्रंथ	• मिश्र, महेंद्र , भारतीय सिनेमा का इतिहास ,रूपा प्रकाशन 2020 • The Cinemas of India by Yves Thoraval,2002 • History of Indian Cinema by Renu Saran,2002
3	ई-संसाधन	यूट्यूब एवं स्वयं से बनाई गयी सामग्री
4	लिंक	-
5	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

8.पाठ्यचर्या-विन्यास(Design of the Course): BFS 102

पाठ्यचर्याका नाम(Name of the Course): कला विवेचन एवं सौदंर्य

पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course): **BFS 102**

क्रेडिट(Credit):04

सेमेस्टर(Semester):प्रथम

पाठ्यचर्या विवरण(Description of the Course):छात्र कला की अवधारणा एवं सौन्दर्य की अवधारणा की मूल जानकारी प्राप्त कर सकेंगे प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य भारतीय तथा पाश्चात्य कलाशास्त्रका सामान्य परिचय स्पष्ट करते हुए विद्यार्थियों को कला विषयमें प्रवेश करवाना एवं प्रारम्भिक प्रकरण ग्रन्थों का ज्ञान प्रदान करना है।

9.अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs): (Programme Learning Outcomes)

i) ज्ञान/बोध संबंधी: कला की भारतीय अवधारणा से सम्बंधित ज्ञान अर्जित करना.सिनेमाई कला के सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व को समझते हुए छात्रों के भीतर इसके प्रति समझ और विवेक विकसित करना जिसके फलस्वरूप छात्रों के भीतर बेहतर जीवन मूल्यों का निर्माण होगा एवं भावनात्मक तथा सांस्कृतिक एकता की भावना संपुष्ट होगी।

ii) कौशल/अभ्यास संबंधी: साहित्य और सिनेमा के बीच अंतर्संबंध स्थापित करते हुए छात्रों के भीतर सिनेमाई शिल्प एवं भाषा के प्रति समझ विकसित होगी. सिनेमाई कला की संरचनात्मक विशिष्टताएं(संपादन,छायांकन,निर्देशन,ध्वनी रचना,पटकथा लेखन) एवं उसके विकास यात्रा से सम्बंधित जानकारी छात्रों को दी जायेगी . सूचना एवं प्रौद्योगिकी के विकास के साथ ही वर्तमान समय में सिनेमा ने अपने दायरे का विकास भी किया है अतः विभिन्न माध्यमों मे इसके स्वरुप और इसकी संरचनात्मक विशिष्टताओं की ओर भी छात्रों का विकास किया जाएगा।

ii) नियोजन/रोजगार संबंधी: डिजिटल रूप से दृश्य श्रव्य कंटेंट निर्माण कर रहे केन्द्रों में विभिन्न फिल्म प्रोडक्शन हाउसेस में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में जहां फिल्म अध्ययन एवं फिल्म निर्माण से जुड़े विभाग हैं।

फिल्म डिवीज़न,एन एफ डी सी एवं पी एस बी टी एवं अन्य संस्थाओं के माध्यम से विभिन्न विषयों पर वृत्तचित्र निर्माण करनावर्तमान समय में डिजिटल फिल्म निर्माण मे स्वरोजगार की कई संभावनाएं हैं।

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय,वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

10. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में):				कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		कक्षा-शिक्षण/ व्याख्यान (ऑफलाइन: ऑनलाइन)	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/क्षेत्र-कार्य(Interaction/ Training/ Laboratory/Field Work)	कौशल विकास गतिविधियाँ (Skill Development Activities)		
मॉड्यूल-1	कला की अवधारणा	10	2	3	0		25
मॉड्यूल-2	सौन्दर्य की अवधारणा	10	2	3	0		25
मॉड्यूल-3	भारतीय कलाओं का उद्भव तथा विकास, वर्गीकरण, विभिन्न कलारूप, कला लक्षणग्रंथ, कला दर्शन	10	2	3	0		25
मॉड्यूल-4	-नाट्य, संगीत सिनेमा और नृत्य -शास्त्रीय नृत्य -लोक नृत्य	10	2	3	0		25
योग		40	8	12	0	60	100

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

11. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केन्द्रित अभिगम ,कक्षागत व्यवख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्यख्यान विधि ,विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	अई सी टी आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	• कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान • ट्यूटोरियल/संवाद • प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य • कौशल विकास गतिविधियाँ • अन्य (विवरण दें)

12.अपेक्षित अधिगम परिणाम(Course Learning Outcomes-CLOs):

-विभिन्न भारतीय कलाओं की जानकारी

-सौन्दर्य एवं कला की अवधारणा

13. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम कीमैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix):

कार्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8...
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	x	x						

* उपलब्ध लक्ष्य के कॉलम में () चिह्न लगाएँ।

अध्यक्ष / HEAD

प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

14. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)			सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	संगोष्ठी पत्र	सत्रांत पत्र	
निर्धारित अंक	15	15	
पूर्णांक	30		70

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

*विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

15.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ/स्रोत(Textbooks/References/Resources):

क्र.सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. स्वतंत्र कलाशास्त्र - के. सी. पाण्डेय, चौखम्भा प्रकाशन ,वाराणसी 2. कला- हंस कुमार तिवारी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद , पटना 3. गौरवशाली भारतीय संस्कृति – प्रो. रजनीश शुक्ल, भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली। 4 . कला विवेचन- कुमार विमल , भारती भवन,पटना 5 . कला और संस्कृति- वसुदेव शरण अग्रवाल, लोक भारती प्रकाशन ,

		प्रयागराज 6. काव्य और कला तथा अन्य निबंध- जयशंकर प्रसाद, भारती –भंडार , इलाहाबाद , पञ्चम संस्करण,1958 7. 'हिस्ट्री ऑफ़ इंडियन एण्ड इंडोनेशियन आर्ट- आनंद कुमारस्वामी 8. Dance of Shiva- Ananda Coomarswamy(The Dance of Shiva: Fourteen Indian Essays, Revised Ed., New York: The Noonday Press, 1957) 9.Art and Swadeshi- Ananda Coomarswamy,Munshiram Manoharlal Publishers; First (31 December, 2001). 10. पाश्चात्य कला – ममता चतुर्वेदी , राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादेमी , जयपुर 11. कलाशास्त्र की रूपरेखा - ओम प्रकाश भारती, मानक प्रकाशन ,दिल्ली
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. कोठारी,कोमल- साहित्य, संगीत और कला , जयपुर ,1960 2. प्राचीन भारतीय स्तूप, गुहा एवं मंदिर, वासुदेव उपाध्याय, - बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादेमी 3. भारत शिल्प के षडंग - ठाकुर, अवनीन्द्रनाथ (अनुवादक, महादेव साहा, इलाहाबाद, 1958) 4.कुमार विमल,सौंदर्य शास्त्र के तत्व, राजकमल प्रकाशन 1968 5. कला-चित्रकला – विनोद भारव्दाज, पंचशील प्रकाशन, जयपुर 6. भारतीय सौदर्य सिद्धांत की नयी परिभाषा, सुरेन्द्र एस. बरलिंगे, भारतीय ज्ञानपीठ दिल्ली 7. कला, साहित्य और संस्कृति- ई.एम.एस. नम्बूदरीपाद
3	ई-संसाधन	संगीत नाटक अकादेमी,नयी दिल्ली,राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय,सी. सी.आर. टी तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र द्वारा निर्मित कला विषयक फ़िल्में। शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग,ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	लिंक	----
5	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

8.पाठ्यचर्या-विन्यास(Design of the Course): BFS 103

पाठ्यचर्या का नाम(Name of the Course): पूर्व निर्माण की प्रक्रिया (pre -Production)

पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course): **BFS 103**

क्रेडिट(Credit):**04**

सेमेस्टर(Semester):प्रथम

पाठ्यचर्या विवरण(Description of the Course):छात्र सिनेमा के निर्माण के पहले चरण की मूल जानकारी प्राप्त कर सकेंगे । यह प्रथम चरण ही सम्पूर्ण सिनेमा की नीव है अतः बिन्दुवार तरीके से इस चरण की विभिन्न प्रक्रिया का अध्ययन किया जाएगा।

9.अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs): (Programme Learning Outcomes)

(विभाग स्नातक कार्यक्रम के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख अधिकतम 200 शब्दों में करेगा।)

i) ज्ञान/बोध संबंधी: कला की भारतीय अवधारणा से सम्बंधित ज्ञान अर्जित करना.सिनेमाई कला के सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व को समझते हुए छात्रों के भीतर इसके प्रति समझ और विवेक विकसित करना जिसके फलस्वरूप छात्रों के भीतर बेहतर जीवन मूल्यों का निर्माण होगा एवं भावनात्मक तथा सांस्कृतिक एकता की भावना संपुष्ट होगी।

ii) कौशल/अभ्यास संबंधी: साहित्य और सिनेमा के बीच अंतर्संबंध स्थापित करते हुए छात्रों के भीतर सिनेमाई शिल्प एवं भाषा के प्रति समझ विकसित होगी . सिनेमाई कला की संरचनात्मक विशिष्टताएं(संपादन,छायांकन,निर्देशन,ध्वनी रचना,पटकथा लेखन) एवं उसके विकास यात्रा से सम्बंधित जानकारी छात्रों को दी जायेगी . सूचना एवं प्रौद्योगिकि के विकास के साथ ही वर्तमान समय में सिनेमा ने अपने दायरे का विकास भी किया है अतः विभिन्न माध्यमों मे इसके स्वरुप और इसकी संरचनात्मक विशिष्टताओं की ओर भी छात्रों का विकास किया जाएगा

ii) नियोजन/रोजगार संबंधी: डिजिटल रूप मे दृश्य श्रव्य कंटेंट निर्माण कर रहे केन्द्रों में विभिन्न फिल्म प्रोडक्शन हाउसेस में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में जहां फिल्म अध्ययन एवं फिल्म निर्माण से जुड़े विभाग हैंफिल्म डिवीज़न,एन एफ डी सी एवं पी एस बी टी एवं अन्य संस्थाओं के माध्यम से विभिन्न विषयों पर वृत्तचित्र निर्माण करनावर्तमान समय में डिजिटल फिल्म निर्माण मे स्वरोजगार की कई संभावनाएं हैं

10. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में):				कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		कक्षा-शिक्षण/ व्याख्यान (ऑफलाइन/ ऑनलाइन)	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/ क्षेत्र-कार्य(Interaction/ Training/ Laboratory /Field Work)	कौशल विकास गतिविधियाँ (Skill Development Activities)		
मॉड्यूल-1	- पूर्व निर्माण की प्रक्रिया क्या है -पूर्व निर्माण प्रक्रिया की आवश्यकता -शोध - पटकथा लेखन	15	2	3	0		**40**
मॉड्यूल-2	-रेकी -आडिशन -क्रू की जानकारी -फिल्म प्रॉडक्शन यूनिट	10	2	0	3		**25**
मॉड्यूल-3	स्टोरीबोर्डिंग -स्टोरीबोर्डिंग क्या है - स्टोरीबोर्डिंग की आवश्यकता - स्टोरीबोर्डिंग के प्रकार - स्टोरीबोर्डिंग करने की विधि	10	2	0	3		**25**
मॉड्यूल-4	बजेटिंग स्क्रिप्ट शीट	5	2	3	0		**10**
योग		**40**	**8**	**06**	**06**	**60**	**100**

11. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केन्द्रित अभिगम ,कक्षागत व्यवख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्यख्यान विधि ,विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	• कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान • ट्यूटोरियल/संवाद • प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य • कौशल विकास गतिविधियाँ • अन्य (विवरण दें)

12.अपेक्षित अधिगम परिणाम(Course Learning Outcomes-CLOs):

-फिल्मांकन की पूर्व प्रक्रिया(प्री प्रॉडक्शन की सम्पूर्ण जानकारी हो सकेगी

-बजट का निर्माण

-स्टोरीबोर्डिंग का निर्माण

13. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम कीमैट्रिव्स(Course Learning Outcome Matrix):

कार्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8...
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	x	x	x					

* उपलब्ध लक्ष्य के कॉलम में () चिह्न लगाएँ।

14. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (30%)			सत्रांत परीक्षा (70 %)
घटक	संगोष्ठि पत्र	सत्रांत पत्र	
निर्धारित अंक	15	15	
पूर्णांक	30		70

"विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

"विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन स्त्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

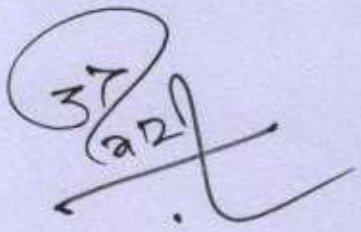

15.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ/स्रोत(Textbooks/References/Resources):

क्र.सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• Baary keith grant ,Film Genre:from iconograpky to ideology, wallflower • Buckland,Warren,FilmStudies,teachyourself,2019 • Film Art: An Introduction by David Bordwell & Kristin Thomson
2	संदर्भ-ग्रंथ	• The film makers hand book .ed pincos • The definitive guide to screenwriting by Syd Field • The screenwriters wordbook by syd field
3	ई-संसाधन	यूट्यूब एवं पीपीटी
4	लिंक	----
5	अन्य	कक्षागत नोट्स

8.पाठ्यचर्या-विन्यास(Design of the Course): BFS 201

पाठ्यचर्या का नाम(Name of the Course): विश्व सिनेमा का इतिहास

पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Ccurse): **BFS 201**

क्रेडिट(Credit)**:04**

सेमेस्टर(Semester):द्वितीय

पाठ्यचर्या विवरण (Description of the Course):वैश्विक स्तर पर सिनेमा को प्रभावित करने वाले विभिन्न कला आंदोलन एवं प्रमुख फ़िल्मकारों की जानकारी दी जाएगी। भारतीय सिनेमा पर विश्व सिनेमा का प्रभाव एवं विश्व सिनेमा का भारतीय सिनेमा पर प्रभाव इस पाठ्यचर्या का उद्देश्य है।

9.अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs): (Programme Learning Outcomes)

i) **ज्ञान/बोध संबंधी**: कला की भारतीय अवधारणा से सम्बंधित ज्ञान अर्जित करना.सिनेमाई कला केसामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व को समझते हुए छात्रों के भीतर इसके प्रति समझ और विवेक विकसित करना जिसके फलस्वरूप छात्रों के भीतर बेहतर जीवन मूल्यों का निर्माण होगा एवं भावनात्मक तथा सांस्कृतिक एकता की भावना संपुष्ट होगी।

ii) **कौशल/अभ्यास संबंधी:**साहित्य और सिनेमा के बीच अंतर्संबंध स्थापित करते हुए छात्रों के भीतर सिनेमाई शिल्प एवं भाषा के प्रति समझ विकसित होगी. सिनेमाई कला की संरचनात्मक विशिष्टताएं(संपादन,छायांकन,निर्देशन,ध्वनी रचना,पटकथा लेखन) एवं उसके विकास यात्रा से सम्बंधित जानकारी छात्रों को दी जायेगी . सूचना एवं प्रौद्योगिकी के विकास के साथ ही वर्तमान समय में सिनेमा ने अपने दायरे का विकास भी किया है। अतः विभिन्न माध्यमों मे इसके स्वरुप और इसकी संरचनात्मक विशिष्टताओं की ओर भी छात्रों का विकास किया जाएगा

ii) **नियोजन/रोजगार संबंधी:**डिजिटल रूप से दृश्य श्रव्य कंटेंट निर्माण कर रहे केन्द्रों में विभिन्न फिल्म प्रोडक्शन हाउसेस में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में जहां फिल्म अध्ययन एवं फिल्म निर्माण से जुड़े विभाग हैं।

फिल्म डिवीज़न,एन एफ डी सी एवं पी एस बी टी एवं अन्य संस्थाओं के माध्यम से विभिन्न विषयों पर वृत्तचित्र निर्माण करना। वर्तमान समय में डिजिटल फिल्म निर्माण मे स्वरोजगार की कई संभावनाएं हैं

10. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Conter ts of theCourse):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में):				कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		कक्षा-शिक्षण/ व्याख्यान (ऑफलाइन/ ऑनलाइन)	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/क्षेत्र-कार्य(Interaction/ Training/ Laboratory/Field Work)	कौशल विकास गतिविधियाँ (Skill Development Activities)		
मॉड्यूल-1	सिनेमा के आगमन से पहले एवं मूक सिनेमा	10	2	3	0		25
मॉड्यूल-2	पश्चिम में सिनेमाई कला का विकास	10	2	3	0		25
मॉड्यूल-3	बोलती फ़िल्में एवं वर्तमान परिदृश्य	10	2	3	0		25
मॉड्यूल-4	एशिया और वैश्विक सिनेमा के अंतर्संबंध	10	2	3	0		25
योग		40	8	0	12	60	100

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M.G.A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

11. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केन्द्रित अभिगम ,कक्षागत व्यवख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्यख्यान विधि ,विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	• कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान • ट्यूटोरियल/संवाद • प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य • कौशल विकास गतिविधियाँ • अन्य (विवरण दें)

12.अपेक्षित अधिगम परिणाम(Course Learning Outcomes-CLOs):

इस प्रश्न पत्र के माध्यम से छात्र विश्व सिनेमा के इतिहास से परिचित हो सकेंगे। एवं एशिया और वैश्विक सिनेमा के अंतरसंबंधों को भी समझ सकेंगे। साथ ही भारत पर विश्व सिनेमा के प्रभाव को समझ सकेंगे।

13. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम कीमैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix):

कार्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8...
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति								

* उपलब्ध लक्ष्य के कॉलम में () चिह्न लगाएँ।

14. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (30%)			सत्रांत परीक्षा (70 %)
घटक	संगोष्ठी पत्र	सत्रांत पत्र	
निर्धारित अंक	15	15	
पूर्णांक	30		70

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

*विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

15.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ स्रोत(Textbooks/References/Resources):

क्र.सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• विश्व सिनेमा का इतिहास (2020)- अनिल भार्गव,सिने साहित्य प्रकाशन ,चित्रकूट स्कीम,आजमेर रोड,जयपुर-302 021 • Sarah Cassey,Freddie Gaffney and John White,As film studies:the essential introduction,University of California press
2	संदर्भ-ग्रंथ	• सिनेमा के चार अध्याय (2014)-डॉ. टी. शशीधरन, वाणी प्रकाशन, दरियागंज: नयी दिल्ली. • पश्चिम और सिनेमा (2012)-दिनेश श्रीनेत, वाणी प्रकाशन, दरियागंज: नयी दिल्ली. • बालीवुड पाठ(), ललित जोशी (2012)-वाणी प्रकाशन दिल्ली . सिन्हा ,कुलदीप,फिल्म निर्देशन,राधाकृषण वाजहत ,असगर ,व्यावाहारिक निर्देशक का पटकथा लेखन,राजकमल
3	ई-संसाधन	यूट्यूब एवं स्वयं
4	लिंक	—
5	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

8.पाठ्यचर्या-विन्यास(Design of the Course): BFS 202

पाठ्यचर्या का नाम(Name of the Course): फिल्म आस्वादन

पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course): **BFS 202**

क्रेडिट(Credit):04

सेमेस्टर(Semester):द्वितीय

पाठ्यचर्या विवरण(Description of the Course): रस निष्पत्ति के लिए सिनेमा एक महत्वपूर्ण उपकरण है। इस रस की निष्पत्ति के पीछे सिनेमा के विभिन्न उपकरण और कलाओं का सामंजस्य है। छात्र आस्वादन के माध्यम से फिल्म के आधारभूत तत्व एवं बेहतर सिनेमाई भाषा की समझ विकसित कर सकेगा।

9.अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs): (Programme Learning Outcomes)

i) ज्ञान/बोध संबंधी: कला की भारतीय अवधारणा से सम्बंधित ज्ञान अर्जित करना.सिनेमाई कला के सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व को समझते हुए छात्रों के भीतर इसके प्रति समझ और विवेक विकसित करना जिसके फलस्वरूप छात्रों के भीतर बेहतर जीवन मूल्यों का निर्माण होगा एवं भावनात्मक तथा सांस्कृतिक एकता की भावना संपुष्ट होगी।

ii) कौशल/अभ्यास संबंधी: साहित्य और सिनेमा के बीच अंतर्संबंध स्थापित करते हुए छात्रों के भीतर सिनेमाई शिल्प एवं भाषा के प्रति समझ विकसित होगी . सिनेमाई कला की संरचनात्मक विशिष्टताएं(संपादन,छायांकन,निर्देशन,ध्वनी रचना,पटकथा लेखन) एवं उसके विकास यात्रा से सम्बंधित जानकारी छात्रों को दी जायेगी . सूचना एवं प्रौद्योगिकी के विकास के साथ ही वर्तमान समय में सिनेमा ने अपने दायरे का विकास भी किया है अतः विभिन्न माध्यमों मे इसके स्वरुप और इसकी संरचनात्मक विशिष्टताओं की ओर भी छात्रों का विकास किया जाएगा

ii) नियोजन/रोजगार संबंधी: डिजिटल रूप से दृश्य श्रव्य कंटेंट निर्माण कर रहे केन्द्रों में
विभिन्न फिल्म प्रोडक्शन हाउसेस में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में जहां फिल्म अध्ययन एवं फिल्म निर्माण से जुड़े विभाग हैं
फिल्म डिवीज़न,एन एफ डी सी एवं पी एस बी टी एवं अन्य संस्थाओं के माध्यम से विभिन्न विषयों पर वृत्तचित्र निर्माण करना
वर्तमान समय में डिजिटल फिल्म निर्माण मे स्वरोजगार की कई संभावनाएं हैं

10. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में):			कौशल विकास गतिविधियाँ (Skill Development Activities)	कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		कक्षा-शिक्षण/ व्याख्यान (ऑफलाइन / ऑनलाइन)	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/क्षेत्र-कार्य(Interaction/ Training/ Laboratory/Field Work)			
मॉड्यूल-1	-फिल्म आस्वादन अवधारणा एवं विवेचन	10	2	3	0		25
मॉड्यूल-2	सिनेमाई भाषा और शैली -दृश्यांकन -संपादन -ध्वनि	10	2	3	0		25
मॉड्यूल-3	ग्लास, ऑकरेंस एट ऑउल क्रीक ब्रिज ,तीसरी कसम	10	2	3	0		25
मॉड्यूल-4	सिनेमाई धाराएं -इटली का नव्यथार्थवाद -फ्रेंच न्यू वेव	10	2	3	0		25
योग		40	8	12	0	60	100

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

11. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	शैक्षार्थी केन्द्रित अभिगम ,कक्षागत व्यवख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि ,विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	• कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान • ट्यूटोरियल/संवाद • प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य • कौशल विकास गतिविधियाँ • अन्य (विवरण दें)

12.अपेक्षित अधिगम परिणाम(Course Learning Outcomes-CLOs):

- सिनेमा की समीक्षा एवं अवलोकन की समझ विकसित करेगा
- सिनेमाई भाषा की शुरुआती जानकारी

13. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम कीमैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix):

कार्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8...
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	x	x						

* उपलब्ध लक्ष्य के कॉलम में () चिह्न लगाएँ।

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

14. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (30%)			सत्रांत परीक्षा (70%)
घटक	संगोष्ठी पत्र	सत्रांत पत्र	
निर्धारित अंक	15	15	
पूर्णांक	30		70

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

*विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

15.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ/स्रोत(Textbooks/References/Resources):

क्र.सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• सिनेमा के चार अध्याय (2014)-डॉ. टी. शशीधरन, वाणी प्रकाशन, दरियागंज: नयी दिल्ली. • पश्चिम और सिनेमा (2012)-दिनेश श्रीनेत, वाणी प्रकाशन, दरियागंज: नयी दिल्ली. • बालीवुड पाठ(), ललित जोशी (2012)-वाणी प्रकाशन दिल्ली . • दो गुलफामों की तीसरी कसम ,अनंत, कीकट प्रकाशन • James Monaco,How to read a film, penguin, 1993 • Film appreciation ,utpal data,
2	संदर्भ-ग्रंथ	• भारद्वाज विनोद,सिनेमा कल आज कल राजकमल प्रकाशन • प्रियदर्शन ,भारतीय सिनेमा का सच • चैटर्जी गौतम ,क्लासिक सिनेमा पेंगुइन प्रकाशन
3	ई-संसाधन	यूट्यूब एवं स्वयं
4	लिंक	-----
5	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

8.पाठ्यचर्या-विन्यास(Design of the Course): BFS 203

पाठ्यचर्या का नाम(Name of the Course): **सिने भाषा एवं तकनीक**

पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course): BFS 203

क्रेडिट(Credit):**04**

सेमेस्टर(Semester):द्वितीय

पाठ्यचर्या विवरण(Description of the Course):सिनेमा की एक स्वतंत्र भाषा है , सिनेमा अपना अर्थ इसी भाषा के माध्यम से ही दर्शकों को प्रस्तुत करता है । यहाँ सिनेमा की तकनीक एवं सिनेमाई भाषा के गढ़ने में उनकी उपयोगिता पर विस्तृत चर्चा की जाएगी।

9.अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs): (Programme Learning Outcomes)

(विभाग स्नातक कार्यक्रम के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख अधिकतम 200 शब्दों में करेगा।)

i) **ज्ञान/बोध संबंधी**: कला की भारतीय अवधारणा से सम्बंधित ज्ञान अर्जित करना.सिनेमाई कला के सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व को समझते हुए छात्रों के भीतर इसके प्रति समझ और विवेक विकसित करना जिसके फलस्वरूप छात्रों के भीतर बेहतर जीवन मूल्यों का निर्माण होगा एवं भावनात्मक तथा सांस्कृतिक एकता की भावना संपुष्ट होगी।

ii) **कौशल/अभ्यास संबंधी:**साहित्य और सिनेमा के बीच अंतर्संबंध स्थापित करते हुए छात्रों के भीतर सिनेमाई शिल्प एवं भाषा के प्रति समझ विकसित होगी. सिनेमाई कला की संरचनात्मक विशिष्टताएं(संपादन,छायांकन,निर्देशन,ध्वनी रचना,पटकथा लेखन) एवं उसके विकास यात्रा से सम्बंधित जानकारी छात्रों को दी जायेगी . सूचना एवं प्रौद्योगिकि के विकास के साथ ही वर्तमान समय में सिनेमा ने अपने दायरे का विकास भी किया है। अतः विभिन्न माध्यमों मे इसके स्वरुप और इसकी संरचनात्मक विशिष्टताओं की ओर भी छात्रों का विकास किया जाएगा

ii) **नियोजन/रोजगार संबंधी:**डिजिटल रूप से दृश्य श्रव्य कंटेंट निर्माण कर रहे केन्द्रों में विभिन्न फिल्म प्रोडक्शन हाउसेस में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में जहां फिल्म अध्ययन एवं फिल्म निर्माण से जुड़े विभाग हैं। फिल्म डिवीज़न,एन एफ डी सी एवं पी एस बी टी एवं अन्य संस्थाओं के माध्यम से विभिन्न विषयों पर वृत्तचित्र निर्माण करना। वर्तमान समय में डिजिटल फिल्म निर्माण मे स्वरोजगार की कई संभावनाएं हैं।

10. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में):				कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		कक्षा-शिक्षण/ व्याख्यान (ऑफलाइन/ ऑनलाइन)	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/क्षेत्र-कार्य(Interaction/ Training/ Laboratory/Field Work)	कौशल विकास गतिविधियाँ (Skill Development Activities)		
मॉड्यूल-1	-सिनेमाई भाषा - सिनेमा और साहित्य के अंतरसंबंध - सिनेमा की विभिन्न उपकरणों की जानकारी	10	2	0	3		25
मॉड्यूल-2	-सम्पादन और उससे जुड़े महत्वपूर्ण सिद्धान्त -ध्वनि विन्यास	10	2	0	3		25
मॉड्यूल-3	लोकप्रिय सिनेमा और कला सिनेमा की सिनेमाई भाषा का विश्लेषण महत्वपूर्ण फिल्मकारों के माध्यम से	20	4	0	6		50
योग		**40**	**8**	**0**	**12**	**60**	**100**

11. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

अभिगम	शिक्षार्थी केन्द्रित अभिगम ,कक्षागत व्यवख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्यख्यान विधि ,विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	• कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान • ट्यूटोरियल/संवाद • प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य • कौशल विकास गतिविधियाँ • अन्य (विवरण दें)

12.अपेक्षित अधिगम परिणाम(Course Learning Outcomes-CLOs):

-सिनेमाई भाषा की विभिन्न अवधारणाएँ

-सिनेमाई भाषा के संयोजन के तत्व

13. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम कीमैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix):

कार्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8...
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	x	x						

14. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

	आतंरिक मूल्यांकन (30%)		सत्रांत परीक्षा (70%)
घटक	संगोष्ठी पत्र	सत्रांत पत्र	
निर्धारित अंक	15	15	
पूर्णांक	30		70

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

*विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन	मौखिकी

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(80%)			(20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

15.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ-स्रोत(Textbooks/References/Resources):

क्र.सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Wachel Lindsay "The Art of Moving Picture", Livraait Publication, New York, 1970 2. Madhav M. Prasad, Sign of idiological reform into recent films: towards real subsumition in Ravi S. Vasudevan. Indian Cinema, Oxford University, Press, New York. 3.Monacco, James, How to read a film, Oxford University, Press, New York. 4. Ray Satyajeet, Deep Focus, Reflection on Indian Cinewma, Harper Coline, 2017
2	संदर्भ-ग्रंथ	Ascher, Steven, The Film maker Handbook, A comprehensive Guide for The Digital Age, Penguin USA, 2012 Frontline, 18th October, 2013 Special issue Century of Indian Cinema
3	ई-संसाधन	• आय सी टी आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ईपीजी पाठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान, फिल्म स्क्रीनिंग इत्यादि
4	लिंक	-
5	अन्य	व्यक्तिगत नोट्स का प्रयोग

8 पाठ्यचर्या का नाम: सिनेमा के सिद्धांत

(Name of the Course)

पाठ्यचर्या का कोड: (Code of the Course) BFS 301

क्रेडिट: 4

सेमेस्टर: तृतीय

पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course) : प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य वर्तमान समय में सिनेमा चिन्तन और सिनेमा के महत्त्वपूर्ण सिद्धांत और सिद्धांतकारों के बारे में जानकारी देना है

9.अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs): (Programme Learning Outcomes)

(विभाग स्नातक कार्यक्रम के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख अधिकतम 200 शब्दों में करेगा।)– वृत्तचित्र का बोध होगा

कथा फिल्में और वृत्तचित्र के बीच अंतरसंबंध वृत्तचित्र के प्रकार

i) **ज्ञान/बोध संबंधी:** कला की भारतीय अवधारणा से सम्बंधित ज्ञान अर्जित करना.सिनेमाई कला के सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व को समझते हुए छात्रों के भीतर इसके प्रति समझ और विवेक विकसित करना जिसके फलस्वरूप छात्रों के भीतर बेहतर जीवन मूल्यों का निर्माण होगा एवं भावनात्मक तथा सांस्कृतिक एकता की भावना संपुष्ट होगी।

ii) **कौशल/अभ्यास संबंधी:**साहित्य और सिनेमा के बीच अंतर्संबंध स्थापित करते हुए छात्रों के भीतर सिनेमाई शिल्प एवं भाषा के प्रति समझ विकसित होगी. सिनेमाई कला की संरचनात्मक विशिष्टताएं (संपादन,छायांकन,निर्देशन,ध्वनी रचना,पटकथा लेखन) एवं उसके विकास यात्रा से सम्बंधित जानकारी छात्रों को दी जायेगी . सूचना एवं प्रौद्योगिकी के विकास के साथ ही वर्तमान समय में सिनेमा ने अपने दायरे का विकास भी किया है। अतः विभिन्न माध्यमों मे इसके स्वरुप और इसकी संरचनात्मक विशिष्टताओं की ओर भी छात्रों का विकास किया जाएगा

ii) **नियोजन/रोजगार संबंधी:**डिजिटल रूप ने दृश्य श्रव्य कंटेंट निर्माण कर रहे केन्द्रों में विभिन्न फिल्म प्रोडक्शन हाउसेस में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में जहां फिल्म अध्ययन एवं फिल्म निर्माण से जुड़े विभाग हैं।

फिल्म डिवीज़न,एन एफ डी सी एवं पी एस बी टी एवं अन्य संस्थाओं के माध्यम से विभिन्न विषयों पर वृत्तचित्र निर्माण करना। वर्तमान समय में डिजिटल फिल्म निर्माण मे स्वरोजगार की कई संभावनाएं हैं।

10 . पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या / अन्विति	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
माड्यूल -1	21वीं शाताब्दी में सिनेमा चिन्तन, दुएलाक,लुइ देल्लाक,जीन एप्स्तें	15	3	2	20	33.33
माड्यूल -2	सिनेमा के अन्य विषयों से अंतर्संबंध	15	3	2	20	33.33
अन्विति -3	विश्व एवं भारत के महत्त्वपूर्ण सिने चिन्तक और उनके सिद्धांत द्ज़िगा वेर्तोव,रुडोल्फ अर्न्हेइम ,बेला बलाज़स	15	3	2	20	33.33
योग		45	9	6	60	100

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

11 शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि , विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस , आलेख, पत्रिका आलेख , फोटो कोपी इत्यादि

9. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes) :- पाठ्यचर्या का शिक्षण होने पर विद्यार्थी अधोलिखित बिन्दुओं को ग्रहण करने में सक्षम होगा।

- सिनेमा की सैद्धांतिकी से अवगत हो सकेगा
- सिनेमा और अन्य कलाओं के संबंधों को समझेगा
- सिनेमा की अन्य विषय सम्बंधित व्याख्याओं को समझेगा
- विद्यार्थी सिने सिद्धांतों के हेतुओं से परिचित होगा
- विभिन्न मतों का ज्ञान ग्रहण करेगा

12 . (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X				

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

14. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)			सत्रांत परीक्षा (70 %)
घटक	संगोष्ठी पत्र	सत्रांत पत्र	
निर्धारित अंक	15	15	
पूर्णांक	30		70

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

*विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रांत पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

14 .अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. बॉलीवुड पाठ विमर्श के सन्दर्भ ,जोशी , ललित , वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली , 2017 2. भारतीय सिने सिद्धांत ,ओझा ,अनुपम ,राधाकृष्ण पब्लिकेशन,2009 3.उपाध्याय,भगवतशरण,भारतीय कला की भूमिका,दूसरा

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

		संस्करण,पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस,नई दिल्ली,1991 4.Allen,R.C and Gomery,D.Film History :Theory and Practice,Mc-Graw-hill,Boston 5.Doughty Ruth and Christine Etherington,Understanding Film Theory,Second Edition,Palgrave Publication,2018
2	संदर्भ-ग्रंथ	Ray,Satyajeet, Our cinema and Their Cinema,Disha Publication,1974 शुक्ल,प्रयाग(संपादक),कला ,समय और समाज,ललित कला अकादमी,नई दिल्ली,1979 .Kapoor,Kapil,Language,linguistic and Literature – The Indian Perspective,Academic Foundation,1994
3	ई-संसाधन	आई सी टी आधारित शिक्षण , शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ई.पी.जी पठशाला एवँ यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान इत्यादि
4	अन्य	कक्षागत नोटस् का प्रयोग

8. पाठ्यचर्या-विन्यास(Design of the Course): BFS 302

पाठ्यचर्या का नाम(Name of the Course): अभिनय के सिद्धांत एवं पद्धतियाँ

पाठ्यचर्या काकोड(Code of the Course): BFS 302

क्रेडिट(Credit):**4**

सेमेस्टर(Semester): तृतीय

पाठ्यचर्या विवरण(Description of the Course):छात्र एक विषय पर विभाग के अध्यापक के मार्गदर्शन में परियोजना कार्य प्रस्तुत करेगा।

9.अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs): (Programme Learning Outcomes)

i) **ज्ञान/बोध संबंधी**: कला की भारतीय अवधारणा से सम्बंधित ज्ञान अर्जित करना.सिनेमाई कला के सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व को समझते हुए छात्रों के भीतर इसके प्रति समझ और विवेक विकसित करना जिसके फलस्वरूप छात्रों के भीतर बेहतर जीवन मूल्यों का निर्माण होगा एवं भावनात्मक तथा सांस्कृतिक एकता की भावना संपुष्ट होगी।

ii) **कौशल/अभ्यास संबंधी:**साहित्य और सिनेमा के बीच अंतर्संबंध स्थापित करते हुए छात्रों के भीतर सिनेमाई शिल्प एवं भाषा के प्रति समझ विकसित होगी. सिनेमाई कला की संरचनात्मक विशिष्टताएं (संपादन,छायांकन,निर्देशन,ध्वनी रचना,पटकथा लेखन) एवं उसके विकास यात्रा से सम्बंधित जानकारी छात्रों को दी जायेगी . सूचना एवं प्रौद्योगिकी के विकास के साथ ही वर्तमान समय में सिनेमा ने अपने दायरे का विकास भी किया है। अतः विभिन्न माध्यमों मे इसके स्वरुप और इसकी संरचनात्मक विशिष्टताओं की ओर भी छात्रों का विकास किया जाएगा

ii) **नियोजन/रोजगार संबंधी:**डिजिटल रूप से दृश्य श्रव्य कंटेंट निर्माण कर रहे केन्द्रों में

विभिन्न फिल्म प्रोडक्शन हाउसेस में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में जहां फिल्म अध्ययन एवं फिल्म निर्माण से जुड़े विभाग हैं।

फिल्म डिवीज़न,एन एफ डी सी एवं पी एस बी टी एवं अन्य संस्थाओं के माध्यम से विभिन्न विषयों पर वृत्तचित्र निर्माण करना। वर्तमान समय में डिजिटल फिल्म निर्माण मे स्वरोजगार की कई संभावनाएं हैं।

10. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में):				कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		कक्षा-शिक्षण/ व्याख्यान (ऑफलाइन/ ऑनलाइन)	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/क्षेत्र-कार्य(Interaction/ Training/ Laboratory/Field Work)	कौशल विकास गतिविधियाँ (Skill Development Activities)		
मॉड्यूल-1	अभिनय की अवधारणा	10	3	2		15	25
मॉड्यूल-2	भारतीय अभिनय पद्धति	10	3	2		15	25
मॉड्यूल-3	पाश्चात्य अभिनय पद्धति	10	3	2		15	25
मॉड्यूल-4	सिनेमाई अभिनय	10	3	2		15	25
योग		**40**	**12**	**8**		**60**	**100**

11. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केन्द्रित अभिगम,कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि,विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण,शिक्षा आधारित एप का प्रयोग,ई पी जी पाठशाला की सहायक सामग्री का प्रयोग

उपादान	• कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान • ट्यूटोरियल/संवाद • प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य • कौशल विकास गतिविधियाँ • अन्य (विवरण दें)

12.अपेक्षित अधिगम परिणाम(Course Learning Outcomes-CLOs):

(पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करते हुए संपूर्ण कार्यक्रम के लिए उसकी उपयोगिता/अनिवार्यता स्पष्ट करें। - 200 शब्दों से अनधिक)

13. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम कीमैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix):

कार्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8...
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	x	x	x					

* उपलब्ध लक्ष्य के कॉलम में () चिह्न लगाएँ।

14. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)	मौखिकी (20%)

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

15.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ/स्रोत(Textbooks/References/Resources):

क्र.सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	नाट्यशास्त्र ,भरत मुनि ,चौखम्बा प्रकाशन रंगमंच के सिद्धांत ,देवेंद्र राज अंकुर
2	संदर्भ-ग्रंथ	अभिनय की भारतीय पद्धति ,प्रसन्ना ,राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय भूमिका की संरचना ,चरित्र की संरचना , दिनेश खन्ना अभिनय दर्पण ,अभिनव गुप्त दर्शन प्रदर्शन ,देवेंद्र राज अंकुर
3	ई-संसाधन	
4	लिंक	
5	अन्य	

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

8.पाठ्यचर्या-विन्यास(Design of the Course): BFS 303

पाठ्यचर्या का नाम(Name of the Course): **हिन्दी के प्रमुख फ़िल्मकार**

पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course): **BFS 303**

क्रेडिट(Credit):**04**

सेमेस्टर(Semester):तृतीय

पाठ्यचर्या विवरण(Description of the Course):हिन्दी भाषा में बनी फिल्में भारत एवं विश्व में सर्वाधिक देखी जाती हैं। इसी के क्रम में हिन्दी भाषा के फ़िल्मकारों की एक परंपरा हैं जिनहोने न सिर्फ विश्व से प्रभावित होकर सिनेमाई शैली को रचा बल्कि भारतीय कला परंपरा के अनुरूप भी इस शैली को गढ़ने का प्रयास किया। इसके अंतर्गत हिन्दी भाषा के महत्वपूर्ण फ़िल्मकारों की जानकारी दी जाएगी।

9.अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs): (Programme Learning Outcomes)

- वृत्तचित्र का बोध होगा
- कथा फिल्में और वृत्तचित्र के बीच अंतरसंबंध
- वृत्तचित्र के प्रकार

i) **ज्ञान/बोध संबंधी**: कला की भारतीय अवधारणा से सम्बंधित ज्ञान अर्जित करना.सिनेमाई कला के सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व को समझते हुए छात्रों के भीतर इसके प्रति समझ और विवेक विकसित करना जिसके फलस्वरूप छात्रों के भीतर बेहतर जीवन मूल्यों का निर्माण होगा एवं भावनात्मक तथा सांस्कृतिक एकता की भावना संपुष्ट होगी।

ii) **कौशल/अभ्यास संबंधी**:साहित्य और सिनेमा के बीच अंतर्संबंध स्थापित करते हुए छात्रों के भीतर सिनेमाई शिल्प एवं भाषा के प्रति समझ विकसित होगी. सिनेमाई कला की संरचनात्मक विशिष्टताएं (संपादन,छायांकन,निर्देशन,ध्वनी रचना,पटकथा लेखन) एवं उसके विकास यात्रा से सम्बंधित जानकारी छात्रों को दी जायेगी . सूचना एवं प्रौद्योगिकी के विकास के साथ ही वर्तमान समय में सिनेमा ने अपने दायरे का विकास भी किया है। अतः विभिन्न माध्यमों मे इसके स्वरुप और इसकी संरचनात्मक विशिष्टताओं की ओर भी छात्रों का विकास किया जाएगा

ii) **नियोजन/रोजगार संबंधी**:डिजिटल रूप से दृश्य श्रव्य कंटेंट निर्माण कर रहे केन्द्रों में
विभिन्न फिल्म प्रोडक्शन हाउसेस में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में जहां फिल्म अध्ययन एवं फिल्म निर्माण से जुड़े विभाग हैं।
फिल्म डिवीज़न,एन एफ डी सी एवं पी एस बी टी एवं अन्य संस्थाओं के माध्यम से विभिन्न विषयों पर वृत्तचित्र निर्माण करना। वर्तमान समय में डिजिटल फिल्म निर्माण मे स्वरोजगार की कई संभावनाएं हैं।

10. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में):				कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		कक्षा-शिक्षण/ व्याख्यान (ऑफलाइन/ ऑनलाइन)	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/क्षेत्र-कार्य(Interaction/ Training/ Laboratory/Field Work)	कौशल विकास गतिविधियाँ (Skill Development Activities)		
मॉड्यूल-1	हिंदी भाषा का सिनेमा ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य	10	2	3	०		25
मॉड्यूल-2	के . एस सहगल वी. शांताराम गुरूदत्त राजकपूर के.आसीफ ऋषिकेश मुखर्जी	10	2	३	0		25
मॉड्यूल-3	श्याम बेनेगल मणि कौल सईद मिर्जा गोविंद निहलानी एम.एस सतयु	10	2	3	0		25
मॉड्यूल-4	मधुर भंडारकर ,अनुराग कश्यप,संजय लीला भंसाली प्रकाश झा	10	2	3	0		25
योग		**40**	**8**	**12**	**0**	**60**	**100**

11. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केन्द्रित अभिगम ,कक्षागत व्यवख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्यख्यान विधि ,विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	• कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान • ट्यूटोरियल/संवाद • प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य • कौशल विकास गतिविधियाँ • अन्य (विवरण दें)

12.अपेक्षित अधिगम परिणाम(Course Learning Outcomes-CLOs):

छात्र हिंदी भाषा के फिल्मों की विभिन्न फ़िल्मकारों से परिचित हो सकेगा। साथ ही हिंदी फिल्मों की विभिन्न की धारा से परिचित होगा। हिंदी सिनेमा के क्षेत्र में जाने से इस ज्ञान का प्रयोग कर सकेगा।

13. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम कीमैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix):

कार्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8...
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	--	--	--	-	--	--

* उपलब्ध लक्ष्य के कॉलम में () चिह्न लगाएँ।

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Dept. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M.G.A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

14. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)			सत्रांत परीक्षा (70 %)
घटक	संगोष्ठी पत्र	सत्रांत पत्र	
निर्धारित अंक	15	15	
पूर्णांक	30		70

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

15.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ/स्रोत(Textbooks/References/Resources):

क्र.सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	• सिनेमा का सफर निर्देशकों के साथ (2013)-श्याममाथुर,राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी जयपुर। • सिनेमा के सौ बरस-(संपा.) मृत्युंजय,शिल्पायन प्रकाशन, शाहदरा: दिल्ली • डायरेक्टर्स कट : हिंदी सिनेमा के आला फिल्मकार(2017)-जावेद हमीद, अतुल्य पब्लिकेशन्स,सी-5/एफ-2,ईस्ट ज्योती नगर ,दिल्ली • गुरुदत्त : हिंदी सिनेमा का एक कवि (2012)-कबीर नसरीन मुन्नी, प्रभात पेपर बैक्स: नयी दिल्ली। • सिंगिंग ए न्यू नेशन: द अर्ली फिल्म ऑफ़ राजकपूरइन द लाजिक्स ऑफ़ ग्लोबलाइजेशन (2009),आनंदमकावूरी, लंहम लेक्सिंगटन बुक्स, दिल्ली • मैं एक हरफनमौला (2008)-ए. के.हंगल, वाणी प्रकाशन, दरियागंज: नयी दिल्ली..
3	ई-संसाधन	आय सी टी आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ईपीजी पाठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान, फिल्म स्क्रीनिंग इत्यादि
4	लिंक	-
5	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

8.पाठ्यचर्या-विन्यास(Design of the Course): BFS 401

पाठ्यचर्या का नाम(Name of the Course): **सिनेमा के विविध आयाम**

पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course): **BFS 401**

क्रेडिट(Credit):**04**

सेमेस्टर(Semester):चतुर्थ

पाठ्यचर्या विवरण(Description of the Course):सिनेमा एक सामूहिक काला हैं। इस संबंध में विवेचनकर्ताओं ने इसे विभिन्न काला का एक समुच्य माना है। सिनेमाई भाषा भी इनहि विभिन्न कला के संयोजन का ही फल है। इस पाठ्यचर्या के माध्यम से सिनेमा का संगीत ,चित्रकला,नाट्यकला आदि से सामंजस्य स्थापित किया जाएगा

9.अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLCs): (Programme Learning Outcomes)

i) **ज्ञान/बोध संबंधी**: कला की भारतीय अवधारणा से सम्बंधित ज्ञान अर्जित करना.सिनेमाई कला के सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व को समझते हुए छात्रों के भीतर इसके प्रति समझ और विवेक विकसित करना जिसके फलस्वरूप छात्रों के भीतर बेहतर जीवन मूल्यों का निर्माण होगा एवं भावनात्मक तथा सांस्कृतिक एकता की भावना संपुष्ट होगी।

ii) **कौशल/अभ्यास संबंधी:**साहित्य और सिनेमा के बीच अंतर्संबंध स्थापित करते हुए छात्रों के भीतर सिनेमाई शिल्प एवं भाषा के प्रति समझ विकसित होगी. सिनेमाई कला की संरचनात्मक विशिष्टताएं (संपादन,छायांकन,निर्देशन,ध्वनी रचना,पटकथा लेखन) एवं उसके विकास यात्रा से सम्बंधित जानकारी छात्रों को दी जायेगी . सूचना एवं प्रौद्योगिकी के विकास के साथ ही वर्तमान समय में सिनेमा ने अपने दायरे का विकास भी किया है। अतः विभिन्न माध्यमों मे इसके स्वरुप और इसकी संरचनात्मक विशिष्टताओं की ओर भी छात्रों का विकास किया जाएगा

ii) **नियोजन/रोजगार संबंधी:**डिजिटल रूप से दृश्य श्रव्य कंटेंट निर्माण कर रहे केन्द्रों में

विभिन्न फिल्म प्रोडक्शन हाउसेस में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में जहां फिल्म अध्ययन एवं फिल्म निर्माण से जुड़े विभाग हैं।

फिल्म डिवीज़न,एन एफ डी सी एवं पी एस बी टी एवं अन्य संस्थाओं के माध्यम से विभिन्न विषयों पर वृत्तचित्र निर्माण करना। वर्तमान समय में डिजिटल फिल्म निर्माण मे स्वरोजगार की कई संभावनाएं हैं।

10. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में):				कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		कक्षा-शिक्षण/ व्याख्यान (ऑफलाइन/ ऑनलाइन)	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/क्षेत्र-कार्य(Interaction/ Training/ Laboratory/Field Work)	कौशल विकास गतिविधियाँ (Skill Development Activities)		
मॉड्यूल-1	-सिनेमा और नाट्य -दृश्य काव्य का अवलोकन एक सैद्धांतिक विवेचन	10	2	3	0		25
मॉड्यूल 2	सिनेमा और चित्रकला एवं संगीत	10	2	3	0		25
मॉड्यूल-3	सिनेमा और पर्यावरण	10	2	3	0		25
मॉड्यूल-4	सिनेमा और समाज	10	2	3	0		25
योग		40	8	0	12	60	100

11. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	शैक्षार्थ केन्द्रित अभिगम ,कक्षागत व्यवख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्यख्यान विधि ,विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण

उपादान	• कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान • ट्यूटोरियल/संवाद • प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य • कौशल विकास गतिविधियाँ • अन्य (विवरण दें)

12.अपेक्षित अधिगम परिणाम(Course Learning Outcomes-CLOs):

-प्रमुख प्रदर्शानिकारी कलाएं और सिनेमा से उनका समांजस्य स्थापित करना

13. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम कीमैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix):

कार्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8...
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	x	x						

* उपलब्ध लक्ष्य के कॉलम में () चिह्न लगाएँ।

14. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)			सत्रांत परीक्षा (70 %)
घटक	संगोष्ठी पत्र	सत्रांत पत्र	
निर्धारित अंक	15	15	
पूर्णांक	30		70

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

*विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

15.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ/स्रोत(Textbooks/References/Resources):

क्र.सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• नाटक की भारतीय परम्परा और दशरूपक(1963-2019)-हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली • पारसी थियेटर(1990)- (संपा.) रणवीरसिंह. राजस्थान नाटक अकादमी: जोधपुर. शर्मा ,नवल किशोर,फिल्म संगीत बदलता स्वरूप ,राघव पब्लिकेशन ,जयपुर
2	संदर्भ-ग्रंथ	• फिल्म क्षेत्रे-रंग क्षेत्रे. (2012).(संपा.)-डॉ. शरदनागर, वाणी प्रकाशन, दरियागंज: नयी दिल्ली. • मीडिया और रंगकर्म (2009)- जयदेव तनेजा, तक्षशीला प्रकाशन, दिल्ली. • कुंदे पुरुषोत्तम ,सिनेमा का सौन्दर्यशास्त्र ,गोविंद पचौरी जवाहर पुस्तकालय ,मथुरा
3	ई-संसाधन	अन्य सी टी आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ईपीजी पाठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान, फिल्म स्क्रीनिंग इत्यादि
4	लिंक	-
5	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

8.पाठ्यचर्या-विन्यास(Design of the Course): BFS 402

पाठ्यचर्या का नाम(Name of the Course): समकालीन फिल्म जॉनर

पाठ्यचर्या काकोड(Code of the Course): **BFS 402**

क्रेडिट(Credit)**:4**

सेमेस्टर(Semester): चतुर्थ

पाठ्यचर्या विवरण(Description of the Course): दशरुपक की अवधारणा फिल्म जॉनर की सिनेमा पर भी लागू होती है। इसमे फिल्म जॉनर के साथ ही वर्तनान समय में फिल्म के प्रकार की अवधारणा को समझा जाएगा।

9.अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs): (Programme Learning Outcomes)

i) **ज्ञान/बोध संबंधी**: कला की भारतीय अवधारणा से सम्बंधित ज्ञान अर्जित करना.सिनेमाई कला के सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व को समझते हुए छात्रों के भीतर इसके प्रति समझ और विवेक विकसित करना जिसके फलस्वरूप छात्रों के भीतर बेहतर जीव्न मूल्यों का निर्माण होगा एवं भावनात्मक तथा सांस्कृतिक एकता की भावना संपुष्ट होगी।

ii) **कौशल/अभ्यास संबंधी:**साहित्य और सिनेमा के बीच अंतर्संबंध स्थापित करते हुए छात्रों के भीतर सिनेमाई शिल्प एवं भाषा के प्रति समझ विकसित होगी. सिनेमाई कला की संरचनात्मक विशिष्टताएं (संपादन,छायांकन,निर्देशन,ध्वनी रचना,पटकथा लेखन) एवं उसके विकास यात्रा से सम्बंधित जानकारी छात्रों को दी जायेगी . सूचना एवं प्रौद्योगिकी के विकास के साथ ही वर्तमान समय में सिनेमा ने अपने दायरे का विकास भी किया है। अतः विभिन्न माध्यमों मे इसके स्वरुप और इसकी संरचनात्मक विशिष्टताओं की ओर भी छात्रों का विकास किया जाएगा

ii) **नियोजन/रोजगार संबंधी:**डिजिटल रूप से दृश्य श्रव्य कंटेंट निर्माण कर रहे केन्द्रों में

विभिन्न फिल्म प्रोडक्शन हाउसेस में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में जहां फिल्म अध्ययन एवं फिल्म निर्माण से जुड़े विभाग हैं।

फिल्म डिवीज़न,एन एफ डी सी एवं पी एस बी टी एवं अन्य संस्थाओं के माध्यम से विभिन्न विषयों पर वृत्तचित्र निर्माण करना। वर्तमान समय में डिजिटल फिल्म निर्माण मे स्वरोजगार की कई संभावनाएं हैं।

10. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में):				कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		कक्षा-शिक्षण/ व्याख्यान (ऑफलाइन/ ऑनलाइन)	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/क्षेत्र-कार्य(Interaction/ Training/ Laboratory/Field Work)	कौशल विकास गतिविधियाँ (Skill Development Activities)		
मॉड्यूल-1	फिल्म जॉनर की अवधारणा	10	3	2		15	25
मॉड्यूल-2	जॉनर के प्रकार 1.एक्शन 2.एडवेंचर 3.कॉमेडी 4.ड्रामा	10	3	2		15	25
मॉड्यूल-3	फंतासी हॉरर म्यूजिकल	10	3	2		15	25
मॉड्यूल-4	भारत में विभिन्न जॉनर की महत्वपूर्ण फिल्में	10	3	2		15	25
योग		**40**	**12**	**8**		**60**	**100**

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M.G.A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

11. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केन्द्रित अभिगम,कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली काप्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि,विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण,शिक्षा आधारित एप का प्रयोग, ई पी जी पाठशाला की सहायक सामग्री का प्रयोग
उपादान	• कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान • ट्यूटोरियल/संवाद • प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य • कौशल विकास गतिविधियाँ • अन्य (विवरण दें)

12.अपेक्षित अधिगम परिणाम(Course Learning Outcomes-CLOs):

-सिनेमा के रूपक के प्रकार

-रूपकों की वषयवस्तु

-रूपकों की शैली

13. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम कीमैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix):

कार्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8...
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	x	x	x					

* उपलब्ध लक्ष्य के कॉलम में () चिह्न लगाएँ।

14. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

15.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ/स्रोत(Textbooks/References/Resources):

क्र.सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	**पश्चिम और सिनेमा -दिनेश श्रीनेत, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली**
2	संदर्भ-ग्रंथ	• The Film Genre Book, Book by John Sanders • **Film Book Genre – Complete List of Book Genresby Mark Malatesta | Feb 12, 2018 | Book Genres Nonfiction** • अभिनव सिनेमा (2017)-प्रचंड वीर , वाणी प्रकाशन दिल्ली
3	ई-संसाधन	--
4	लिंक	--
5	अन्य	--

8.पाठ्यचर्या-विन्यास (Design of the Course): BFS 403

पाठ्यचर्या का नाम(Name of the Course): **फिल्म निर्माण (प्रोडक्शन)**
पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course): **BFS 401**
क्रेडिट(Credit):**04**
सेमेस्टर(Semester):चतुर्थ

पाठ्यचर्या विवरण(Description of the Course):प्रॉडक्शन अर्थात निर्माण का चरण सिनेमा के संपपोरना निर्माण में एक महत्वपूर्ण चरण है। इसकी अपनी एक प्रक्रिया है जिसके अंतर्गत अभिनेता, निर्देशक,विन्यास्कर्ता,छायाकार आदि का आलेख भी सामने आता है। इस पाठ्यचर्या के माध्यम से इस चरण के महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में जानकारी हो पाएगी।

9.अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs): (Programme Learning Outcomes)

i) **ज्ञान/बोध संबंधी**: कला की भारतीय अवधारणा से सम्बंधित ज्ञान अर्जित करना.सिनेमाई कला के सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व को समझने हुए छात्रों के भीतर इसके प्रति समझ और विवेक विकसित करना जिसके फलस्वरूप छात्रों के भीतर वेहतर जीवन मूल्यों का निर्माण होगा एवं भावनात्मक तथा सांस्कृतिक एकता की भावना संपुष्ट होगी।

ii) **कौशल/अभ्यास संबंधी:**साहित्य और सिनेमा के बीच अंतर्संबंध स्थापित करते हुए छात्रों के भीतर सिनेमाई शिल्प एवं भाषा के प्रति समझ विकसित होगी. सिनेमाई कला की संरचनात्मक विशिष्टताएं (संपादन,छायांकन,निर्देशन,ध्वनी रचना,पटकथा लेखन) एवं उसके विकास यात्रा से सम्बंधित जानकारी छात्रों को दी जायेगी . सूचना एवं प्रौद्योगिकी के विकास के साथ ही वर्तमान समय में सिनेमा ने अपने दायरे का विकास भी किया है। अतः विभिन्न माध्यमों मे इसके स्वरुप और इसकी संरचनात्मक विशिष्टताओं की ओर भी छात्रों का विकास किया जाएगा

ii) **नियोजन/रोजगार संबंधी:**डिजिटल रूप से दृश्य श्रव्य कंटेंट निर्माण कर रहे केन्द्रों में
विभिन्न फिल्म प्रोडक्शन हाउसेस में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में जहां फिल्म अध्ययन एवं फिल्म निर्माण से जुड़े विभाग हैं।
फिल्म डिवीज़न,एन एफ डी सी एवं पी एस बी टी एवं अन्य संस्थाओं के माध्यम से विभिन्न विषयों पर वृत्तचित्र निर्माण करना। वर्तमान समय में डिजिटल फिल्म निर्माण मे स्वरोजगार की कई संभावनाएं हैं।

10. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse):

मॉड्यूल	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में):			कुल पाठ्यचर्या

संख्या		कक्षा-शिक्षण/ व्याख्यान (ऑफलाइन/ ऑनलाइन)	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/क्षेत्र-कार्य(Interaction/ Training/ Laboratory/Field Work)	कौशल विकास गतिविधियाँ (Skill Development Activities)	कुल घंटे	में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
मॉड्यूल-1	प्रोडक्शन की प्रक्रिया एवं विवरण	10	2	0	3		25
मॉड्यूल-2	-निर्देशक का आलेख -अभिनेता का आलेख	10	2	0	3		25
मॉड्यूल-3	-छायाकार का आलेख -दृश्य विन्यासर्ता का आलेख	10	2	0	3		25
मॉड्यूल-4	-मीज –एन – सीन के तत्व -थ्रीपॉइंट लाइटिंग -शॉट्स के प्रकार -कैमरा एंगल	10	2		3		25
योग		**40**	**8**	**0**	**12**	**60**	**100**

11. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M.G.A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

अभिगम	शिक्षार्थी केन्द्रित अभिगम ,कक्षागत व्यवख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्यख्यान विधि ,विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	• कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान • ट्यूटोरियल/संवाद • प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य • कौशल विकास गतिविधियाँ • अन्य (विवरण दें)

12.अपेक्षित अधिगम परिणाम(Course Learning Outcomes-CLOs):

- छात्र द्वितीय और सबसे महत्वपूर्ण चरण की जानकारी प्राप्त कर सकेगा
- प्रोडक्शन की सुक्ष्मतम प्रक्रिया का बोध पा सकेगा।
- फिल्म निर्माण के व्यवहारिक पक्ष से परिचित हो सकेगा।

13. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम कीमैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix):

कार्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8...
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	--	--			

14. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)			सत्रांत परीक्षा (70 %)
घटक	संगोष्ठी पत्र	सत्रांत पत्र	
निर्धारित अंक	15	15	
पूर्णांक	**30**		**70**
पूर्णांक	**25**		**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

*विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

15.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ/स्रोत(Textbooks/References/Resources):

क्र.सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• कथा-पटकथा– मन्नू भंडारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली। • पटकथा लेखन, फीचर फिल्म – उमेश राठौरतक्षशिला' प्रकाशन, नई दिल्ली।
2	संदर्भ-ग्रंथ	• फिल्म निर्देशन(2014)-कुलदीप सिन्हा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दरियागंज: नयी दिल्ली. • फिल्में कैसे बनती हैं(1996)-हरमलसिंह, राजस्थान पत्रिका, केशर गढ़, जयपुर. • फिल्म एवं टेलीविजन शब्दावली(2014)- डॉ. अमितोष दूबे,प्रकाशन संस्थान 4268-B/3 अंसारी रोड, नई दिल्ली . • how to read a film (1990)-jamesMonaco,oxford , • Film directing shot by shot(1991)- steven d. catz, focal press publication.
3	ई-संसाधन	आय सी टी आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ईपीजी पाठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान, फिल्म स्क्रीनिंग इत्यादि
4	लिंक	-
5	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

8.पाठ्यचर्या-विन्यास(Design of the Course): BFS 501

पाठ्यचर्या का नाम(Name of the Course): **भारतीय भाषाओं का सिनेमा**

पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course): BFS 503

क्रेडिट(Credit)**:04**

सेमेस्टर(Semester):पंचम

पाठ्यचर्या विवरण(Description of the Course):भारत विविध भाषाओं का देश है। भाषा की यही विविधता भारत की शक्ति है। भारतीय फिल्मों को वैश्विक पटल पर स्थापित करने में अहिंदी भाषी फ़िल्मकारों का महत्वपूर्ण योगदान है उसकी रचा सिनेमा को संपूर्णता में समझने के लिए ज़रूरी हैं अतः इस पाठ्यचर्या का भी यही उद्देशय है।

9.अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs): (Programme Learning Outcomes)

i) **ज्ञान/बोध संबंधी**: कला की भारतीय अवधारणा से सम्बंधित ज्ञान अर्जित करना.सिनेमाई कला के सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व को समझते हुए छात्रों के भीतर इसके प्रति समझ और विवेक विकसित करना जिसके फलस्वरूप छात्रों के भीतर बेहतर जीवन मूल्यों का निर्माण होगा एवं भावनात्मक तथा सांस्कृतिक एकता की भावना संपुष्ट होगी।

ii) **कौशल/अभ्यास संबंधी**:साहित्य और सिनेमा के बीच अंतर्संबंध स्थापित करते हुए छात्रों के भीतर सिनेमाई शिल्प एवं भाषा के प्रति समझ विकसित होगी. सिनेमाई कला की संरचनात्मक विशिष्टताएं (संपादन,छायांकन,निर्देशन,ध्वनी रचना,पटकथा लेखन) एवं उसके विकास यात्रा से सम्बंधित जानकारी छात्रों को दी जायेगी . सूचना एवं प्रौद्योगिकी के विकास के साथ ही वर्तमान समय में सिनेमा ने अपने दायरे का विकास भी किया है। अतः विभिन्न माध्यमों मे इसके स्वरुप और इसकी संरचनात्मक विशिष्टताओं की ओर भी छात्रों का विकास किया जाएगा

ii) **नियोजन/रोजगार संबंधी**:डिजिटल रूप से दृश्य श्रव्य कंटेंट निर्माण कर रहे केन्द्रों में

विभिन्न फिल्म प्रोडक्शन हाउसेस में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में जहां फिल्म अध्ययन एवं फिल्म निर्माण से जुड़े विभाग हैं।

फिल्म डिवीज़न,एन एफ डी सी एवं पी एस बी टी एवं अन्य संस्थाओं के माध्यम से विभिन्न विषयों पर वृत्तचित्र निर्माण करना। वर्तमान समय में डिजिटल फिल्म निर्माण मे स्वरोजगार की कई संभावनाएं हैं।

10. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में):			कौशल विकास गतिविधियाँ (Skill Development Activities)	कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		कक्षा-शिक्षण/ व्याख्यान (ऑफलाइन/ ऑनलाइन)	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/क्षेत्र-कार्य(Interaction/ Training/ Laboratory/Field Work)			
मॉड्यूल-1	बांग्ला सिनेमा और उसके प्रमुख फिल्मकार	10	2	3	0		25
मॉड्यूल-2	मराठी सिनेमा और उसके प्रमुख फिल्मकार	10	2	3	0		25
मॉड्यूल-3	दक्षिण भारत का सिनेमा और उसके प्रमुख फिल्मकार	10	2	3	0		25
मॉड्यूल-4	उत्तर पूर्व भारत का सिनेमा और उसके प्रमुख फिल्मकार	10	2	3	0		25
योग		40	8	0	12	60	100

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

11. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केन्द्रित अभिगम ,कक्षागत व्यवख्यान एवं संवाद प्रणाली का इयोग
विधियाँ	व्यख्यान विधि ,विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी पाठशाला सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	• कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान • ट्यूटोरियल/संवाद • प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य • कौशल विकास गतिविधियाँ • अन्य (विवरण दें)

12.अपेक्षित अधिगम परिणाम(Course Learning Outcomes-CLOs):

(पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करते हुए संपूर्ण कार्यक्रम के लिए उसकी उपयोगिता/अनिवार्यता स्पष्ट करें। - 200 शब्दों से अनधिक)

- छात्र हिंदी भाषा से इतर अन्य भारतीय भाषाओं की सिनेमा संस्कृति को जान सकेगा।
- सम्पूर्ण भारत में सिनेमाई कला में हो रहे विभिन्न प्रयोगों से परिचित हो सकेगा।

13. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम की मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix):

कार्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8...
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	---	----	----	---	--	---

* उपलब्ध लक्ष्य के कॉलम में () चिह्न लगाएँ।

14. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (30%)			सत्रांत परीक्षा (70 %)
घटक	संगोष्ठी पत्र	सत्रांत पत्र	
निर्धारित अंक	15	15	
पूर्णांक	**30**		**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियें में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

*विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रांत पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

15.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ/स्रोत(Textbooks/References/Resources):

क्र.सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	भारतीय सिनेमा का इतिहास ,महेंद्र मिश्र ,अनामिका प्रकाशन
2	संदर्भ-ग्रंथ	Wood,John,Mysteries of the Mundane,Orient black swan ,2019
3	ई-संसाधन	आय सी टी आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ईप्रोजी पाठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान, फिल्म स्क्रीनिंग इत्यादि
4	लिंक	-
5	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

8.पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course): BFS 502

पाठ्यचर्या का नाम(Name of the Course): सिनेमा की विविध धाराएं **BFS 502**

क्रेडिट(Credit):04
सेमेस्टर(Semester):पंचम

पाठ्यचर्या विवरण(Description of the Course):अपने 100 साल से अधिक के इतिहास में सिनेमा की शैली में निरान्त्र बदलाव आया है ये बदलाववैश्विक स्तर सामाजिक , सांस्कृतिकएवं आर्थिकबदलावों की वजह से सम्पन्न हुआ , सिनेमा में शैली और विषय वस्तु में बदलाव के लिए कई आंदोलन हुए जिसने सिनेमा को नई धारा दी इन धाराओं का अध्ययन इस पाठ्यचर्या का उद्देश्य है।

9.अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs): (Programme Learning Outcomes)

i) **ज्ञान/बोध संबंधी**: कला की भारतीय अवधारणा से सम्बंधित ज्ञान अर्जित करना.सिनेमाई कला के सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व को समझते हुए छात्रों के भीतर इसके प्रति समझ और विवेक विकसित करना जिसके फलस्वरूप छात्रों के भीतर बेहतर जीवन मूल्यों का निर्माण होगा एवं भावनात्मक तथा सांस्कृतिक एकता की भावना संपुष्ट होगी।

ii) **कौशल/अभ्यास संबंधी**:साहित्य और सिनेना के बीच अंतर्संबंध स्थापित करते हुए छात्रों के भीतर सिनेमाई शिल्प एवं भाषा के प्रति समझ विकसित होगी. सिनेमाई कला की संरचनात्मक विशिष्टताएं (संपादन,छायांकन,निर्देशन,ध्वनी रचना,एटकथा लेखन) एवं उसके विकास यात्रा से सम्बंधित जानकारी छात्रों को दी जायेगी . सूचना एवं प्रौद्योगिकी के विकास के साथ ही वर्तमान समय में सिनेमा ने अपने दायरे का विकास भी किया है। अतः विभिन्न माध्यमों मे इसके स्वरुप और इसकी संरचनात्मक विशिष्टताओं की ओर भी छात्रों का विकास किया जाएगा

ii) **नियोजन/रोजगार संबंधी**:डिजिटल रूप से दृश्य श्रव्य कंटेंट निर्माण कर रहे केन्द्रों में
विभिन्न फिल्म प्रोडक्शन हाउसेस में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में जहां फिल्म अध्ययन एवं फिल्म निर्माण से जुड़े विभाग हैं।
फिल्म डिवीज़न,एन एफ डी सी एवं पी एस बी टी एवं अन्य संस्थाओं के माध्यम से विभिन्न विषयों पर वृत्तचित्र निर्माण करना। वर्तमान समय में डिजिटल फिल्म निर्माण मे स्वरोजगार की कई संभावनाएं हैं।

10. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में):				कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		कक्षा-शिक्षण/ व्याख्यान (ऑफलाइन/ ऑनलाइन)	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/क्षेत्र-कार्य(Interaction/ Training/ Laboratory/Field Work)	कौशल विकास गतिविधियाँ (Skill Development Activities)		
मॉड्यूल-1	-स्टूडियो आधारित हालीवूड सिनेमा	10	2	3	0		25
मॉड्यूल-2	-इटैलियन न्यू वेव	10	2	3	0		25
मॉड्यूल-3	-फ्रेंच न्यू वेव	10	2	3	0		25
मॉड्यूल-4	-ईरानी सिनेमा	10	2	3	0		25
योग		**40**	**8**	**0**	**12**	**60**	**100**

11. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केन्द्रित अभिगम ,कक्षागत व्यवख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्यख्यान विधि ,विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी पाठशाला सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	• कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान • ट्यूटोरियल/संवाद • प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य • कौशल विकास गतिविधियाँ

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

	• अन्य (विवरण दें)

12.अपेक्षित अधिगम परिणाम(Course Learning Outcomes-CLOs):

-सिनेमा की विभिन्न धाराओं की जानकारी

-धाराओं की शैली एवं विषयवस्तु की जानकारी

13. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम कीमैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix):

कार्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8...
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	x	x						

* उपलब्ध लक्ष्य के कॉलम में () चिह्न लगाएँ

14. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (30%)			सत्रांत परीक्षा (70 %)
घटक	संगोष्ठी पत्र	सत्रांत पत्र	
निर्धारित अंक पूर्णांक	15	15	
	30		70

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

*विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुति करण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

15.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ/स्रोत(Textbooks/References/Resources):

क्र.सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	• सिनेमा के चार अध्याय (2014)-डॉ. टी.शशीधरन, वाणी प्रकाशन, दरियागंज: नयी दिल्ली. • पश्चिम और सिनेमा (2012)-दिनेश श्रीनेत, वाणी प्रकाशन, दरियागंज: नयी दिल्ली. • बालीवुड पाठ(), ललित जोशी (2012)-वाणी प्रकाशन दिल्ली
3	ई-संसाधन	आय सी टी आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ईपीजी पाठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान, फिल्म स्क्रीनिंग इत्यादि
4	लिंक	-
5	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

8.पाठ्यचर्या-विन्यास(Design of the Course): BFS 503

पाठ्यचर्या का नाम(Name of the Course): पोस्ट प्रोडक्शन

पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course): BFS 503

क्रेडिट(Credit):**04**

सेमेस्टर(Semester):पंचम

पाठ्यचर्या विवरण(Description of the Course):सिनेमा के विभिन्न चरणों में पोस्ट प्रॉडक्शन अर्थात शूटिंग के बाद की प्रक्रिया अपने में एक स्वतंत्र प्रणाली है। इस पाठ्यचर्या में उसी स्वतंत्र प्रणालीके बारे में छात्रों को जानकारी दी जाएगी।

9.अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs): (Programme Learning Outcomes)

i) **ज्ञान/बोध संबंधी**: कला की भारतीय अवधारणा से सम्बंधित ज्ञान अर्जित करना.सिनेमाई कला के सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व को समझते हुए छात्रों के भीतर इसके प्रति समझ और विवेक विकसित करना जिसके फलस्वरूप छात्रों के भीतर बेहतर जीवन मूल्यों का निर्माण होगा एवं भावनात्मक तथा सांस्कृतिक एकता की भावना संपुष्ट होगी।

ii) **कौशल/अभ्यास संबंधी:**साहित्य और सिनेमा के बीच अंतर्संबंध स्थापित करते हुए छात्रों के भीतर सिनेमाई शिल्प एवं भाषा के प्रति समझ विकसित होगी. सिनेमाई कला की संरचनात्मक विशिष्टताएं (संपादन,छायांकन,निर्देशन,ध्वनी रचना,पटकथा लेखन) एवं उसके विकास यात्रा से सम्बंधित जानकारी छात्रों को दी जायेगी . सूचना एवं प्रौद्योगिकी के विकास के साथ ही वर्तमान समय में सिनेमा ने अपने दायरे का विकास भी किया है। अतः विभिन्न माध्यमों मे इसके स्वरुप और इसकी संरचनात्मक विशिष्टताओं की ओर भी छात्रों का विकास किया जाएगा

iii) **नियोजन/रोजगार संबंधी:**डिजिटल रूप से दृश्य श्रव्य कंटेंट निर्माण कर रहे केन्द्रों में

विभिन्न फिल्म प्रोडक्शन हाउसेस में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में जहां फिल्म अध्ययन एवं फिल्म निर्माण से जुड़े विभाग हैं।

फिल्म डिवीज़न,एन एफ डी सी एवं पी एस बी टी एवं अन्य संस्थाओं के माध्यम से विभिन्न विषयों पर वृत्तचित्र निर्माण करना। वर्तमान समय में डिजिटल फिल्म निर्माण मे स्वरोजगार की कई संभावनाएं हैं।

10. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में):				कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		कक्षा-शेक्षण/ व्याख्यान (ऑफलाइन/ ऑनलाइन)	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/क्षेत्र-कार्य(Interaction/ Training/ Laboratory/Field Work)	कौशल विकास गतिविधियाँ (Skill Development Activitics)		
मॉड्यूल-1	-पोस्ट प्रोडक्शन एक विवरण -संपादक एवं उसका दायित्व - ध्वनि विन्यासकर्ता एवं उसका दायित्व	15	2	0	3		30
मॉड्यूल-2	-संपादन की प्रक्रिया	10	2	0	3		25
मॉड्यूल-3	-ध्वनि विन्यास की प्रक्रिया	05	2	0	3		20
मॉड्यूल-4	-संपादन एवं ध्वनि विन्यास से संबंधित व्यवहारिक पक्ष (प्रोजेक्ट)	10	2		3		25
योग		**40**	**8**	**0**	**12**	**60**	**100**

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M.G.A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

11. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केन्द्रित अभिगम ,कक्षागत व्यवख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्यख्यान विधि ,विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	• कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान • ट्यूटोरियल/संवाद • प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य • कौशल विकास गतिविधियाँ • अन्य (विवरण दें)

12.अपेक्षित अधिगम परिणाम(Course Learning Outcomes-CLOs):

-संपादन एवं संयोजन के विभिन्न सिद्धान्त

-ध्वनि विन्यास एवं उनके सिद्धान्त

13. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम कीमैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix):

कार्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8...
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	x	x						

* उपलब्ध लक्ष्य के कॉलम में () चिह्न लगाएँ

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

14. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (30%)			सत्रांत परीक्षा (70 %)
घटक	संगोष्ठी पत्र	सत्रांत पत्र	
निर्धारित अंक	15	15	
पूर्णांक	30		70

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

15.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ/स्रोत(Textbooks/References/Resources):

क्र.सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	• फिल्में कैसे बनती हैं(1996)-हरमल सिंह, राजस्थान पत्रिका, केशर गढ़, जयपुर. • फिल्म एवं टेलीविजन शब्दावली(2014)- डॉ. अमितोष दूबे,प्रकाशन संस्थान 4268-B/3 अंसारी रोड, नई दिल्ली . • how to read a film (1990)-james Monaco, oxford ,
3	ई-संसाधन	अन्य सी टी आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ईपीजी पाठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान, फिल्म स्क्रीनिंग इत्यादि
4	लिंक	-
5	अन्य	व्यागत नोट्स का प्रयोग

8. पाठ्यचर्या-विन्यास(Design of the Course): BFS 601

पाठ्यचर्या का नाम(Name of the Course): विश्व के प्रमुख फिल्मकार

पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course): BFS 601

क्रेडिट(Credit):**4**

सेमेस्टर(Semester):षष्टम

पाठ्यचर्या विवरण(Description of the Course):भारत से अतिरिक्त विश्व के प्रमुख फ़िल्मकारों का अध्ययन जिनहोने अपनी काला माध्यम से सिर्फ अपने देश बल्कि पूरे विश्व को प्रभावित किया है। वितरण प्रणाली की बदलती व्यवस्था के कारण ऐसे फ़िल्मकारों की संख्या एवं प्रभाव का दायरा बढ़ा है अब उनकी रचनाओं तक पहुँच पाना पहले से आसान हुआ है। अतः इस पाठ्यचर्या ले माध्यम से उन फ़िल्मकारों की शैली एवं विषय वस्तु के चुनाव की जानकारी छात्रों को दी जाएगी।

9.अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs): (Programme Learning Outcomes)

i) **ज्ञान/बोध संबंधी**: कला की भारतीय अवधारणा से सम्बंधित ज्ञान अर्जित करना.सिनेमाई कला के सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व को समझते हुए छात्रों के भीतर इसके प्रति समझ और विवेक विकसित करना जिसके फलस्वरूप छात्रों के भीतर बेहतर जीवन मूल्यों का निर्माण होगा एवं भावनात्मक तथा सांस्कृतिक एकता की भावना संपुष्ट होगी।

ii) **कौशल/अभ्यास संबंधी:**साहित्य और सिनेमा के बीच अंतर्संबंध स्थापित करते हुए छात्रों के भीतर सिनेमाई शिल्प एवं भाषा के प्रति समझ विकसित होगी. सिनेमाई कला की संरचनात्मक विशिष्टताएं (संपादन,छायांकन,निर्देशन,ध्वनी रचना,पटकथा लेखन) एवं उसके विकास यात्रा से सम्बंधित जानकारी छात्रों को दी जायेगी . सूचना एवं प्रौद्योगिकी के विकास के साथ ही वर्तमान समय में सिनेमा ने अपने दायरे का विकास भी किया है। अतः विभिन्न माध्यमों मे इसके स्वरुप और इसकी संरचनात्मक विशिष्टताओं की ओर भी छात्रों का विकास किया जाएगा

ii) **नियोजन/रोजगार संबंधी:**डिजिटल रूप से दृश्य श्रव्य कंटेंट निर्माण कर रहे केन्द्रों में

विभिन्न फिल्म प्रोडक्शन हाउसेस में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में जहां फिल्म अध्ययन एवं फिल्म निर्माण से जुड़े विभाग हैं।

फिल्म डिवीज़न,एन एफ डी सी एवं पी एस बी टी एवं अन्य संस्थाओं के माध्यम से विभिन्न विषयों पर वृत्तचित्र निर्माण करना। वर्तमान समय में डिजिटल फिल्म निर्माण मे स्वरोजगार की कई संभावनाएं हैं।

10. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में):				कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		कक्षा-शिक्षण/ व्याख्यान (ऑफ्लाइन/ ऑनलाइन)	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/क्षेत्र-कार्य(Interaction/ Training/ Laboratory/Field Work)	कौशल विकास गतिविधियाँ (Skill Development Activities)		
मॉड्यूल-1	विश्व के प्रमुख फिल्मकारों की जानकारी -डी. डब्लयू ग्रीफीथ -सर्गेई एजेस्टांइन -जॉन फोर्ड	10	3	2		15	25
मॉड्यूल-2	-चार्ली चैप्लीन -विक्तोरिया डेसीका -अल्फर्ड हिचकॉक	10	3	2		15	25
मॉड्यूल-3	-फ्रांसुआ त्रुफो -जॉन लुक गोदार -इंगमार बर्गमेन	10	3	2		15	25
मॉड्यूल-4	-तारकोवस्की -फ्रांसीस फोर्ड कोपोला -मार्टिन सकोरसिसी	10	3	2		15	25
योग		40	12	8		60	100

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा
M.G.A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

11. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केन्द्रित अभिगम,कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि,विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण,शिक्षा आधारित एप का प्रयोग,ई पी जी पाठशाला की सहायक सामग्री का प्रयोग
उपादान	• कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान • ट्यूटोरियल/संवाद • प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य • कौशल विकास गतिविधियाँ • अन्य (विवरण दें)

12.अपेक्षित अधिगम परिणाम(Course Learning Outcomes-CLOs):

- छात्र विश्व सिनेमा से जुड़े महत्वपूर्ण फिल्मकारों की जानकारी प्राप्त कर सकेगा।
- विश्व सिनेमा से जुड़े महत्वपूर्ण प्रयोगों को जान सकेगा

13. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम कीमैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix):

कार्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8...
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	x	x	x					

* उपलब्ध लक्ष्य के कॉलम में () चिह्न लगाएँ

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Dept. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M.G.A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

14. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)			सत्रांत परीक्षा (70 %)
घटक	संगोष्ठी पत्र	सत्रांत पत्र	
निर्धारित अंक	15	15	
पूर्णांक	**30**		**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

*विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

15.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ/स्रोत(Textbooks/References/Resources):

क्र.सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	विश्व सिनेमा के इतिहास ,अनिल भार्गव ,चित्रकूट प्रकाशन जयपुर
2	संदर्भ-ग्रंथ	• चार्ली चैपलिन(2014)- गीत चतुर्वेदी,संवाद प्रकाशन,आई-499,शास्त्री नगर ,मेरठ • विश्व सिनेमा के अनमोल रत्न ((2017)-विजय शर्मा,अनुज्ञा बुक्स,शहादरा दिल्ली • सिनेमा के चार अध्याय (2014)-डॉ. टी. शशीधरन, वाणी प्रकाशन, दरियागंज: नयी दिल्ली. • पश्चिम और सिनेमा (2012)-दिनेश श्रीनेत, वाणी प्रकाशन, दरियागंज: नयी दिल्ली. • बालीवुड पाठ(), ललित जोशी (2012)-वाणी प्रकाशन दिल्ली • The film encyclopedia,epraihm katz
3	ई-संसाधन	
4	लिंक	
5	अन्य	

8.पाठ्यचर्या-विन्यास(Design of the Course): BFS 602

पाठ्यचर्या का नाम(Name of the Course): वृत्तचित्र निर्माण (व्यावहारिक)

पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course): BFS 602

क्रेडिट(Credit):4

सेमेस्टर(Semester):षष्टम

पाठ्यचर्या विवरण(Description of the Course): पूर्व की पाठ्यचर्या में में छात्र वृत्तचित्र की विभिन्न अवधारणाएँ,शैलियाँ एवं इतिहास से परिचित हो चुका है। अतः इसके माध्यम से वृत्तचित्र निर्माण की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

9.अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs): (Programme Learning Outcomes)

i) **ज्ञान/बोध संबंधी**: कला की भारतीय अवधारणा से सम्बंधित ज्ञान अर्जित करना.सिनेमाई कला के सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व को समझते हुए छात्रों के भीतर इसके प्रति समझ और विवेक विकसित करना जिसके फलस्वरूप छात्रों के भीतर वेहतर जीवन मूल्यों का निर्माण होगा एवं भावनात्मक तथा सांस्कृतिक एकता की भावना संपुष्ट होगी।

ii) **कौशल/अभ्यास संबंधी:**साहित्य और सिनेमा के बीच अंतर्संबंध स्थापित करते हुए छात्रों के भीतर सिनेमाई शिल्प एवं भाषा के प्रति समझ विकसित होगी. सिनेमाई कला की संरचनात्मक विशिष्टताएं (संपादन,छायांकन,निर्देशन,ध्वनी रचना,पटकथा लेखन) एवं उसके विकास यात्रा से सम्बंधित जानकारी छात्रों को दी जायेगी . सूचना एवं प्रौद्योगिकी के विकास के साथ ही वर्तमान समय में सिनेमा ने अपने दायरे का विकास भी किया है। अतः विभिन्न माध्यमों मे इसके स्वरुप और इसकी संरचनात्मक विशिष्टताओं की ओर भी छात्रों का विकास किया जाएगा

ii) **नियोजन/रोजगार संबंधी:**डिजिटल रूप से दृश्य श्रव्य कंटेंट निर्माण कर रहे केन्द्रों में

विभिन्न फिल्म प्रोडक्शन हाउसेस में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में जहां फिल्म अध्ययन एवं फिल्म निर्माण से जुड़े विभाग हैं।

फिल्म डिवीज़न,एन एफ डी सी एवं पी एस बी टी एवं अन्य संस्थाओं के माध्यम से विभिन्न विषयों पर वृत्तचित्र निर्माण करना। वर्तमान समय में डिजिटल फिल्म निर्माण मे स्वरोजगार की कई संभावनाएं हैं।

10. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में):				कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		कक्षा-शिक्षण/ व्याख्यान (ऑफलाइन/ ऑनलाइन)	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/क्षेत्र-कार्य(Interaction/ Training/ Laboratory/Field Work)	कौशल विकास गतिविधियाँ (Skill Development Activities)		
मॉड्यूल-1	छात्रों के द्वारा विषय निर्धारित कर उसपर शोध किया जाएगा	10	3	2		15	25
मॉड्यूल-2	छात्रों के द्वारा पटकथा कर उसे प्रस्तुत किया जाएगा	10	3	2		15	25
मॉड्यूल-3	छात्रों के द्वारा वृत्त चित्र की शूटिंग की जाएगी	10	3	2		15	25
मॉड्यूल-4	प्राप्त सामग्री का संपादन एवं ध्वनि अंकन किया जाएगा	10	3	2		15	25
योग		40	12	8		60	100

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा
M.G.A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

11. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केन्द्रित अभिगम,कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि,विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण,शिक्षा आधारित एप का प्रयोग,ई पी जी पाठशाला की सहायक सामग्री का प्रयोग
उपादान	• कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान • ट्यूटोरियल/संवाद • प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य • कौशल विकास गतिविधियाँ • अन्य (विवरण दें)

12.अपेक्षित अधिगम परिणाम(Course Learning Outcomes-CLOs):
फिल्म निर्माण के व्यवहारिक पक्ष का बोध होगा

13. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम कीमैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix):

कार्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8...
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	x							

* उपलब्ध लक्ष्य के कॉलम में () चिह्न लगाएँ।

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Dept. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M.G.A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

14. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. व्यवहारिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

	आन्तरिक मूल्यांकन (30%)		सत्रांत परीक्षा (70 %)
घटक	संगोष्ठी पत्र	सत्रांत पत्र	
निर्धारित अंक	15	15	
पूर्णांक	30		70

'विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

"विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में मे दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला' स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

	आतंरिक मूल्यांकन (80%)		मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

15.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ/स्रोत(Textbooks/References/Resources):

क्र.सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	वृत्तचित्त लेखन एवं फिल्म तक़नीक(2016)- सुशील गौतम, प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार: नयी दिल्ली. • Documentary: A History of the non-fiction Film by Erik Barnouw • A History of Narrative Film by David A. Cook • Documentary Display: Re-visiting Nonficton Film and Video by Keith Beattie • **Introduction to Documentary,Bill Nicholas,Indiana University Press,2017**
2	संदर्भ-ग्रंथ	**Documenting the Documentary:Close readings of documentary film and Video,Barry Keith Grant,Wayne State University Press,1998**
3	ई-संसाधन	
4	लिंक	
5	अन्य	

8. पाठ्यचर्या-विन्यास(Design of the Course): BFS 603

पाठ्यचर्या का नाम(Name of the Course): फिल्म निर्देशन

पाठ्यचर्या काकोड(Code of the Course): BFS 603

क्रेडिट(Credit):4

सेमेस्टर(Semester):षष्टम

पाठ्यचर्या विवरण(Description of the Course):जिस परकार एक उपन्यास का सृजन एक लेखक के द्वारा किया जाता है उसी प्रकार एक फिल्म का लेखक उसका निर्देशक होता है। एक बेहतर निर्देशक के गुड़, आवश्यकताएँ एवं विशव के प्रमुख निर्देशकों की जानकारी देना। साथ ही छात्र इस विषय के अन्तरगत एक फिल्म का निर्माण भी करेंगे।

9.अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs): (Programme Learning Outcomes)

i) **ज्ञान/बोध संबंधी**: कला की भारतीय अवधारणा से सम्बंधित ज्ञान अर्जित करना.सिनेमाई कला के सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व को समझते हुए छात्रों के भीतर इसके प्रति समझ और विवेक विकसित करना जिसके फलस्वरूप छात्रों के भीतर बेहतर जीवन मूल्यों का निर्माण होगा एवं भावनात्मक तथा सांस्कृतिक एकता की भावना संपुष्ट होगी।

ii) **कौशल/अभ्यास संबंधी**:साहित्य और सिनेमा के बीच अंतर्संबंध स्थापित करते हुए छात्रों के भीतर सिनेमाई शिल्प एवं भाषा के प्रति समझ विकसित होगी. सिनेमाई कला की संरचनात्मक विशिष्टताएं (संपादन,छायांकन,निर्देशन,ध्वनी रचना,पटकथा लेखन) एवं उसके विकास यात्रा से सम्बंधित जानकारी छात्रों को दी जायेगी . सूचना एवं प्रौद्योगिकी के विकास के साथ ही वर्तमान समय में सिनेमा ने अपने दायरे का विकास भी किया है। अतः विभिन्न माध्यमों मे इसके स्वरुप और इसकी संरचनात्मक विशिष्टताओं की ओर भी छात्रों का विकास किया जाएगा

ii) **नियोजन/रोजगार संबंधी**:डिजिटल रूप से दृश्य श्रव्य कंटेंट निर्माण कर रहे केन्द्रों में

विभिन्न फिल्म प्रोडक्शन हाउसेस में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में जहां फिल्म अध्ययन एवं फिल्म निर्माण से जुड़े विभाग हैं।

फिल्म डिवीज़न,एन एफ डी सी एवं पी एस बी टी एवं अन्य संस्थाओं के माध्यम से विभिन्न विषयों पर वृत्तचित्र निर्माण करना। वर्तमान समय में डिजिटल फिल्म निर्माण मे स्वरोजगार की कई संभावनाएं हैं।

10. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में):				कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		कक्षा-शिक्षण/ व्याख्यान (ऑफलाइन/ ऑनलाइन)	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/क्षेत्र-कार्य(Interaction/ Training/ Laboratory/Field Work)	कौशल विकास गतिविधियाँ (Skill Development Activities)		
मॉड्यूल-1	-निर्देशन कला के विभिन्न चरण	10	3	2		15	25
मॉड्यूल-2	-औतिअर सिद्धांत एवं उसकी अवधारणा -प्रमुख औतिअर फिल्मकार	10	3	2		15	25
मॉड्यूल-3	- 2 मिनट की कथा फिल्म का निरन्तरता के सिद्धांत के अनुसार निर्माण	20	6		4	30	50
योग		**40**	**12**	**8**		**60**	**100**

11. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केन्द्रित अभिगम,कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि,विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	अई सी टी आधारित शिक्षण,शिक्षा आधारित एप का प्रयोग,ई पी जी पाठशाला की सहायक सामग्री का प्रयोग
उपादान	• कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान • ट्यूटोरियल/संवाद • प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य • कौशल विकास गतिविधियाँ • अन्य (विवरण दें)

12.अपेक्षित अधिगम परिणाम(Course Learning Outcomes-CLOs):

- छात्र फिल्म निर्देशन के विभिन्न पहलुओं से परिचित हो सकेगा
- छात्र को औटोर (auteur) सिद्धान्त की अवधारणा का बोध हो सकेगा

13. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम कीमैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix):

कार्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8...
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	x	x						

14. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)			सत्रांत परीक्षा (70 %)
घटक	संगोष्ठी पत्र	सत्रांत पत्र	
निर्धारित अंक	15	15	
पूर्णांक	30		70

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

15.अध्ययन हेतु आधार/सन्दर्भ ग्रंथ/स्रोत(Textbooks/References/Resources):

क्र.सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• फिल्म निर्देशन(2014)-कुलदीप सिन्हा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दरियागंज: नयी दिल्ली. • फिल्में कैसे बनती हैं(1996)-हरमल सिंह, राजस्थान पत्रिका, केशर गढ़, जयपुर. • फिल्म एवं टेलीविजन शब्दावली(2014)- डॉ. अमितोष दूबे,प्रकाशन संस्थान 4268-B/3 अंसारी रोड, नई दिल्ली . • बालीवुड पाठ(2012)- ललित जोशी , वाणी प्रकाशन,दिल्ली. • how to read a film (1990)-james Monaco, oxford , Film directing shot by shot(1991)- steven d. catz, focal press publication.
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	लिंक	
5	अन्य	

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

8.पाठ्यचर्या-विन्यास(Design of the Course): BFS 701

पाठ्यचर्या का नाम(Name of the Course): फिल्म वितरण एवं विपणन

पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course): **BFS 701**

क्रेडिट(Credit):**4**

सेमेस्टर(Semester):सप्तम

पाठ्यचर्या विवरण(Description of the Course):इस पाठ्यचर्या की आवश्यकता एक दृश्य श्रव्य उत्पाद को उसके दर्शकों के बीच ले जाने की व्यवस्था की जानकारी देना है। इस पाठ्यचर्या के माध्यम से छात्र वितरण के विभिन्न मंचों ऊंटक अपने उत्पाद पाहुचाए जाने की प्रक्रिया के बारे में जान सकेगा

9.अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs): (Programme Learning Outcomes)

(विभाग स्नातक कार्यक्रम के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख अधिकतम 200 शब्दों में करेगा।)– वृत्तचित्र का बोध होगा

i) **ज्ञान/बोध संबंधी**: कला की भारतीय अवधारणा से सम्बंधित ज्ञान अर्जित करना.सिनेमाई कला के सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व को समझते हुए छात्रों के भीतर इसके प्रति समझ और विवेक विकसित करना जिसके फलस्वरूप छात्रों के भीतर बेहतर जीवन मूल्यों का निर्माण होगा एवं भावनात्मक तथा सांस्कृतिक एकता की भावना संपुष्ट होगी।

ii) **कौशल/अभ्यास संबंधी:**साहित्य और सिनेमा के बीच अंतर्संबंध स्थापित करते हुए छात्रों के भीतर सिनेमाई शिल्प एवं भाषा के प्रति समझ विकसित होगी. सिनेमाई कला की संरचनात्मक विशिष्टताएं (संपादन,छायांकन,निर्देशन,ध्वनी रचना,पटकथा लेखन) एवं उसके विकास यात्रा से सम्बंधित जानकारी छात्रों को दी जायेगी . सूचना एवं प्रौद्योगिकी के विकास के साथ ही वर्तमान समय में सिनेमा ने अपने दायरे का विकास भी किया है। अतः विभिन्न माध्यमों मे इसके स्वरुप और इसकी संरचनात्मक विशिष्टताओं की ओर भी छात्रों का विकास किया जाएगा

ii) **नियोजन/रोजगार संबंधी:**डिजिटल रूप से दृश्य श्रव्य कंटेंट निर्माण कर रहे केन्द्रों में विभिन्न फिल्म प्रोडक्शन हाउसेस में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में जहां फिल्म अध्ययन एवं फिल्म निर्माण से जुड़े विभाग हैं।

फिल्म डिवीज़न,एन एफ डी सी एवं पी एस बी टी एवं अन्य संस्थाओं के माध्यम से विभिन्न विषयों पर वृत्तचित्र निर्माण करना। वर्तमान समय में डिजिटल फिल्म निर्माण मे स्वरोजगार की कई संभावनाएं हैं।

10. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में):			कौशल विकास गतिविधियाँ (Skill Development Activities)	कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		कक्षा-शिक्षण/ व्याख्यान (ऑफलाइन/ ऑनलाइन)	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/क्षेत्र-कार्य(Interaction/ Training/ Laboratory/Field Work)			
मॉड्यूल-1	-फिल्म वितरण एवं विपणन की अवधारणा -विपणन के विभिन्न तत्व	10	3	2		15	25
मॉड्यूल-2	-विपणन के सहयोगी तत्व -विपणन की प्रक्रिया	10	3	2		15	25
मॉड्यूल-3	-फिल्म वितरण महत्वपूर्ण केस स्टडी -फिल्म वितरण की महत्वपूर्णसंस्थाएं	10	3	2		15	25
मॉड्यूल-4	-भारत के प्रमुख फिल्म उत्सव -ओटीटी की अवधारणा -प्रमुख ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म	10	3	2			
योग		**40**	**12**	**8**		**60**	**100**

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

11. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केन्द्रित अभिगम,कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि,विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण,शिक्षा आधारित एप का प्रयोग,ई पी जी पाठशाला की सहायक सामग्री का प्रयोग
उपादान	• कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान • ट्यूटोरियल/संवाद • प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य • कौशल विकास गतिविधियाँ • अन्य (विवरण दें)

12.अपेक्षित अधिगम परिणाम(Course Learning Outcomes-CLOs):

- छात्र स्वतंत्र फिल्मों की वितरण एवं विपणन प्रणाली से परिचित हो सकेगा
- छात्र फिल्म वितरण में आ रहे बदलावों से परिचित हो सकेगा

13. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम कीमैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix):

कार्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8...
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	x	x	-	-	-	-	-	-

* उपलब्ध लक्ष्य के कॉलम में (√) चिह्न लगाएँ।

14. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)			सत्रांत परीक्षा (70 %)
घटक	संगोष्ठी पत्र	सत्रांत पत्र	
निर्धारित अंक	15	15	
पूर्णांक	30		70

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

*विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

15.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ/स्रोत(Textbooks/References/Resources):

क्र.सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	https://www.slideshare.net/sanrachna/film-marketing-present-senario http://www.filmeducation.org/pdf/film/TouchingTheVoid.pdf https://www.nextbigwhat.com/film-marketing-strategies-297/ https://www.livemint.com/Consumer/qoGiyEyfhQctzOTqJ2JKGL/How-digital-media-is-adding-to-rising-film-marketing-costs.html https://www.slideshare.net/arshishaikh90/movie-marketing-1pptxfinal
4	लिंक	**https://www.slideshare.net/CourtneyHummel/film-marketing-plan** **http://grabhouse.com/urbancocktail/bollywood-movies-that-promoted-the-film-differently/** **https://www.researchgate.net/publication/258047916_New_Media_Marketing_of_Bollywood**
5	अन्य	

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

पाठ्यचर्या-विन्यास(Design of the Course): BFS 702

पाठ्यचर्याका नाम(Name of the Course): हिंदी सिनेमा में संगीत

पाठ्यचर्या काकोड(Code of the Course): BFS 702

क्रेडिट(Credit):4

सेमेस्टर(Semester):सप्तम

पाठ्यचर्या विवरण(Description of the Course):संगीत हिन्दी सिनेमा का एक महत्वपूर्ण अंग है। इस पाठ्यचर्या के माध्यम से सिनेमा में संगीत की आवश्यकता एवं सिनेमा में संगीत की यात्रा के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

9.अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs): (Programme Learning Outcomes)

(विभाग स्नातक कार्यक्रम के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख अधिकतम 200 शब्दों में करेगा)– वृत्तचित्र का बोध होगा

कथा फिल्में और वृत्तचित्र के बीच अंतरसंबंध

वृत्तचित्र के प्रकार

i) **ज्ञान/बोध संबंधी**: कला की भारतीय अवधारणा से सम्बंधित ज्ञान अर्जित करना.सिनेमाई कला के सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व को समझते हुए छात्रों के भीतर इसके प्रति समझ और विवेक विकसित करना जिसके फलस्वरूप छात्रों के भीतर बेहतर जीवन मूल्यों का निर्माण होगा एवं भावनात्मक तथा सांस्कृतिक एकता की भावना संपुष्ट होगी।

ii) **कौशल/अभ्यास संबंधी**:साहित्य और सिनेमा के बीच अंतर्संबंध स्थापित करते हुए छात्रों के भीतर सिनेमाई शिल्प एवं भाषा के प्रति समझ विकसित होगी. सिनेमाई कला की संरचनात्मक विशिष्टताएं (संपादन,छायांकन,निर्देशन,ध्वनी रचना,पटकथा लेखन) एवं उसके विकास यात्रा से सम्बंधित जानकारी छात्रों को दी जायेगी . सूचना एवं प्रौद्योगिकी के विकास के साथ ही वर्तमान समय में सिनेमा ने अपने दायरे का विकास भी किया है। अतः विभिन्न माध्यमों मे इसके स्वरुप और इसकी संरचनात्मक विशिष्टताओं की ओर भी छात्रों का विकास किया जाएगा

ii) **नियोजन/रोजगार संबंधी**:डिजिटल रूप से दृश्य श्रव्य कंटेंट निर्माण कर रहे केन्द्रों में

विभिन्न फिल्म प्रोडक्शन हाउसेस में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में जहां फिल्म अध्ययन एवं फिल्म निर्माण से जुड़े विभाग हैं।

फिल्म डिवीज़न,एन एफ डी सी एवं पी एस बी टी एवं अन्य संस्थाओं के माध्यम से विभिन्न विषयों पर वृत्तचित्र निर्माण करना। वर्तमान समय में डिजिटल फिल्म निर्माण मे स्वरोजगार की कई संभावनाएं हैं।

15.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ/स्रोत(Textbooks/References/Resources):

क्र.सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	https://www.slideshare.net/sanrachna/film-marketing-present-senario http://www.filmeducation.org/pdf/film/TouchingTheVoid.pdf https://www.nextbigwhat.com/film-marketing-strategies-297/ https://www.livemint.com/Consumer/qoGiyEyfhQctzOTqJ2JKGL/How-digital-media-is-adding-to-rising-film-marketing-costs.html Https://www.slideshare.net/arshishaikh90/movie-marketing-1pptxfinal
4	लिंक	**https://www.slideshare.net/CourtneyHummel/film-marketing-plan** **http://grabhouse.com/urbancocktail/bollywood-movies-that-promoted-the-film-differently/** **https://www.researchgate.net/publication/258047916_New_Media_Marketing_of_Bollywood**
5	अन्य	

पाठ्यचर्या-विन्यास(Design of the Course): BFS 702

पाठ्यचर्याका नाम(Name of the Course): हिंदी सिनेमा में संगीत

पाठ्यचर्या काकोड(Code of the Course): BFS 702

क्रेडिट(Credit):4

सेमेस्टर(Semester):सप्तम

पाठ्यचर्या विवरण(Description of the Course):संगीत हिन्दी सिनेमा का एक महत्वपूर्ण अंग है। इस पाठ्यचर्या के माध्यम से सिनेमा में संगीत की आवश्यकता एवं सिनेमा में संगीत की यात्रा के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

9.अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs): (Programme Learning Outcomes)

(विभाग स्नातक कार्यक्रम के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख अधिकतम 200 शब्दों में करेगा।)– वृत्तचित्र का बोध होगा

कथा फिल्में और वृत्तचित्र के बीच अंतःसंबंध

वृत्तचित्र के प्रकार

i) **ज्ञान/बोध संबंधी**: कला की भारतीय अवधारणा से सम्बंधित ज्ञान अर्जित करना.सिनेमाई कला के सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व को समझते हुए छात्रों के भीतर इसके प्रति समझ और विवेक विकसित करना जिसके फलस्वरूप छात्रों के भीतर बेहतर जीवन मूल्यों का निर्माण होगा एवं भावनात्मक तथा सांस्कृतिक एकता की भावना संपुष्ट होगी।

ii) **कौशल/अभ्यास संबंधी**:साहित्य और सिनेमा के बीच अंतर्संबंध स्थापित करते हुए छात्रों के भीतर सिनेमाई शिल्प एवं भाषा के प्रति समझ विकसित होगी. सिनेमाई कला की संरचनात्मक विशिष्टताएं (संपादन,छायांकन,निर्देशन,ध्वनी रचना,पटकथा लेखन) एवं उसके विकास यात्रा से सम्बंधित जानकारी छात्रों को दी जायेगी . सूचना एवं प्रौद्योगिकी के विकास के साथ ही वर्तमान समय में सिनेमा ने अपने दायरे का विकास भी किया है। अतः विभिन्न माध्यमों मे इसके स्वरुप और इसकी संरचनात्मक विशिष्टताओं की ओर भी छात्रों का विकास किया जाएगा

ii) **नियोजन/रोजगार संबंधी**:डिजिटल रूप से दृश्य श्रव्य कंटेंट निर्माण कर रहे केन्द्रों में

विभिन्न फिल्म प्रोडक्शन हाउसेस में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में जहां फिल्म अध्ययन एवं फिल्म निर्माण से जुड़े विभाग हैं।

फिल्म डिवीज़न,एन एफ डी सी एवं पी एस बी टी एवं अन्य संस्थाओं के माध्यम से विभिन्न विषयों पर वृत्तचित्र निर्माण करना। वर्तमान समय में डिजिटल फिल्म निर्माण मे स्वरोजगार की कई संभावनाएं हैं।

10. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में):			कौशल विकास गतिविधियाँ (Skill Development Activities)	कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		कक्षा-शिक्षण/ व्याख्यान (ऑफलाइन/ ऑनलाइन)	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/क्षेत्र-कार्य(Interaction/ Training/ Laboratory/Field Work)			
मॉड्यूल-1	सिनेमा में संगीत एक विकास गाथा	10	3	2		15	25
मॉड्यूल-2	-महत्वपूर्ण संगीत निर्देशको की जानकारी -के.एससहगिल -एस.डी बर्मन -नौशाद -खय्याम -हेमंत कुमार -मन्ना डे -ओ पी अय्यर -शंकर जय किशन - आर . रहमान	10	3	2		15	25
मॉड्यूल-3	महत्वपूर्ण सिने गीतकार की जानकारी -शैलेन्द्र -गुलजार -आनंद बक्शी	0	3	2		15	

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M.G.A. Hindi Vishwavidyalaya, WARDHA

	-						
मॉड्यूल-4	महत्वपूर्ण सिने गायक की जानकारी -सुरैया -गीता दत्त -लता मंगेशकर -रफी -किशोर कुमार -तलत महमूद -जगजीत सिंह -कविता कृष्ण मूर्ति -सोनू निगम						
योग		**40**	**12**	**8**		**60**	**100**

टिप्पणी: माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक (Topic) और किसी शीर्षक के अंतर्गत एक या एक से अधिक उपशीर्षक (Sub topic) होसकते हैं।

11. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केन्द्रित अभिगम,कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि,विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण,शिक्षा आधारित एप का प्रयोग,ई पी जी पाठशाला की सहायक सामग्री का प्रयोग
उपादान	• कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान • ट्यूटोरियल/संवाद

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M.G.A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

	• प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य • कौशल विकास गतिविधियाँ • अन्य (विवरण दें)

12.अपेक्षित अधिगम परिणाम(Course Learning Outcomes-CLOs):

(पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करते हुए संपूर्ण कार्यक्रम के लिए उसकी उपयोगिता/अनिवार्यता स्पष्ट करें। - 200 शब्दों से अनधिक)छात्र हिंदी सिनेमा में संगीत के तत्व की मूल जानकारी प्राप्त कर सकेगा प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य छात्रों केहिंदी सिनेमा में संगीत के तत्व की समझ को विकसित कर सकेगा।

13. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम कीमैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix):

कार्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8...
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	x	x	-	-	-	-	-	-

* उपलब्ध लक्ष्य के कॉलम में () चिह्न लगाएँ।

14. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

	आंतरिक मूल्यांकन (30%)		सत्रांत परीक्षा (70 %)
घटक	संगोष्ठी पत्र	सत्रांत पत्र	
निर्धारित अंक	15	15	
पूर्णांक	30		70

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

**विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)	मौखिकी (20%)

घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

15.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ/स्रोत(Textbooks/References/Resources):

क्र.सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• धुनों की यात्रा(2006) –पंकज राग,राजकमल प्रकाशन,दिल्ली • स्वरों की यात्रा(2010)-अनिल भार्गव,वांग्मय प्रकाशन,ई-776/7,जयपुर-302015 • संगीत एवं नृत्यकलाएँ: कल आज और कल- डॉ. भावना ग्रोवर, कनिष्क पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली। •
2	संदर्भ-ग्रंथ	• अपने खुद के शब्दों में लता मंगेशकर ,नसरीन मुन्नी कबीर ,अनुवाद –श्याम कुमार • लता :सुर गाथा ,यतीन्द्र मिश्र • कवि शैलेन्द्र जिंदगी के जीत में यकीन,प्रह्लाद अग्रवाल,राजकमल प्रकाशन • हिंदी सिनेमा के सदाबहार गीतकार ,जावेद हमीद ,नई किताबघर • दो गुलफामों की तीसरी कसम,अनंत ,कीटक प्रकाशन • गीतकार शैलेन्द्र तू प्यार का सागर है ,इंद्रजीत सिंह • धरती कहे पुकार के ,इंद्रजीत सिंह
3	ई-संसाधन	
4	लिंक	
5	अन्य	

8. पाठ्यचर्या-विन्यास(Design of the Course): BFS 703

पाठ्यचर्या का नाम(Name of the Course): फिल्म अध्यम में शोध -I

पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course): BFS 703

क्रेडिट(Credit):**4**

सेमेस्टर(Semester): सप्तम

पाठ्यचर्या विवरण(Description of the Course):फिल्म अध्ययन में शोध के माध्यम से फिल्म अध्ययन में शोध का वर्तमान परिदृश्य,परिकल्पना,शोध विषय के चयन के आधार की जानकारी दी जाएगी।

9.अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs): (Programme Learning Outcomes)

(विभाग स्नातक कार्यक्रम के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख अधिकतम 200 शब्दों में करेगा।)– वृत्तचित्र का बोध होगा

कथा फिल्में और वृत्तचित्र के बीच अंतःसंबंध वृत्तचित्र के प्रकार

i) **ज्ञान/बोध संबंधी**: कला की भारतीय अवधारणा से सम्बंधित ज्ञान अर्जित करना.सिनेमाई कला के सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व को समझते हुए छात्रों के भीतर इसके प्रति समझ और विवेक विकसित करना जिसके फलस्वरूप छात्रों के भीतर बेहतर जीवन मूल्यों का निर्माण होगा एवं भावनात्मक तथा सांस्कृतिक एकता की भावना संपुष्ट होगी।

ii) **कौशल/अभ्यास संबंधी**:साहित्य और सिनेमा के बीच अंतर्संबंध स्थापित करते हुए छात्रों के भीतर सिनेमाई शिल्प एवं भाषा के प्रति समझ विकसित होगी. सिनेमाई कला की संरचनात्मक विशिष्टताएं (संपादन,छायांकन,निर्देशन,ध्वनी रचना,पटकथा लेखन) एवं उसके विकास यात्रा से सम्बंधित जानकारी छात्रों को दी जायेगी . सूचना एवं प्रौद्योगिकी के विकास के साथ ही वर्तमान समय में सिनेमा ने अपने दायरे का विकास भी किया है। अतः विभिन्न माध्यमों मे इसके स्वरुप और इसकी संरचनात्मक विशिष्टताओं की ओर भी छात्रों का विकास किया जाएगा

ii) **नियोजन/रोजगार संबंधी**:डिजिटल रूप से दृश्य श्रव्य कंटेंट निर्माण कर रहे केन्द्रों में

विभिन्न फिल्म प्रोडक्शन हाउसेस में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में जहां फिल्म अध्ययन एवं फिल्म निर्माण से जुड़े विभाग हैं।

फिल्म डिवीज़न,एन एफ डी सी एवं पी एस बी टी एवं अन्य संस्थाओं के माध्यम से विभिन्न विषयों पर वृत्तचित्र निर्माण करना। वर्तमान समय में डिजिटल फिल्म निर्माण मे स्वरोजगार की कई संभावनाएं हैं।

10. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में):				कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		कक्षा-शिक्षण/ व्याख्यान (ऑफलाइन/ ऑनलाइन)	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/क्षेत्र-कार्य(Interaction/ Training/ Laboratory/Field Work)	कौशल विकास गतिविधियाँ (Skill Development Activities)		
मॉड्यूल-1	-फिल्म में शोध एक परिचय -फिल्म में शोध का प्रारूप	10	3	2		15	25
मॉड्यूल-2	-क्षेत्र निर्धारण -विषय चयन के आधार -विषय परिसीमन	10	3	2		15	25
मॉड्यूल-3	-सामग्री संकलन पद्धति -प्रलेख -शोध सामग्री की कोटियाँ	10	3	2		15	25
मॉड्यूल-4	-सैपलिंग के प्रकार -शोध सामग्री हेतु महत्वपूर्ण संस्थाएं	10	3	2		15	25
योग		**40**	**12**	**8**		**60**	**100**

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M.G.A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

11. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केन्द्रित अभिगम,कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि,विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण,शिक्षा आधारित एप का प्रयोग,ई पी जी पाठशाला की सहायक सामग्री का प्रयोग
उपादान	• कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान • ट्यूटोरियल/संवाद • प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य • कौशल विकास गतिविधियाँ • अन्य (विवरण दें)

12.अपेक्षित अधिगम परिणाम(Course Learning Outcomes-CLOs):

- छात्र कला संरक्षण की अवधारण से परिचित हो सकेगा
- भारत के कला संरक्षण संबंधी संस्थानों का ज्ञान अर्जित कर सकेगा।

13. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम कीमैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix):

कार्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8...
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	x	x	-	-				

* उपलब्ध लक्ष्य के कॉलम में () चिह्न लगाएँ।

14. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (30%)			सत्रांत परीक्षा (70 %)
घटक	संगोष्ठी पत्र	सत्रांत पत्र	
निर्धारित अंक	15	15	
पूर्णांक	30		70

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

15.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ/स्रोत(Textbooks/References/Resources):

क्र.सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	शोध पद्धति ,सी .आर. कोठारी ,न्यू ऐज इंटरनेशनल 2019
2	संदर्भ-ग्रंथ	• संचार एवं मीडिया शोध (2015)-डॉ. विनीता गुप्ता, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली • शोध प्रविधि ,मैथिली प्रसाद भारद्वाज ,आधार प्रकाशन
3	ई-संसाधन	
4	लिंक	
5	अन्य	

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M.G.A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

8 . पाठ्यचर्या-विन्यास(Design of the Course): BFS 704

पाठ्यचर्या का नाम(Name of the Course): कला संक्षण

पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course): BFS 704

क्रेडिट(Credit):4

सेमेस्टर(Semester): अष्टम

पाठ्यचर्या विवरण(Description of the Course):भारतीय ज्ञान परंपरा को आगे ले जाने के लिए काला संरक्षण आज की आवश्यकता है इस पाठ्यचर्या के बारे में विषय की अवधारणा और प्रक्रिया ग्रहण की जाएगी।

9.अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs): (Programme Learning Outcomes)

(विभाग स्नातक कार्यक्रम के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख अधिकतम 200 शब्दों में करेगा।)– वृत्तचित्र का बोध होगा

कथा फिल्में और वृत्तचित्र के बीच अंतरसंबंध वृत्तचित्र के प्रकार

i) **ज्ञान/बोध संबंधी**: कला की भारतीय अवधारणा से सम्बंधित ज्ञान अर्जित करना.सिनेमाई कला के सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व को समझते हुए छात्रों के भीतर इसके प्रति समझ और विवेक विकसित करना जिसके फलस्वरूप छात्रों के भीतर बेहतर जीवन मूल्यों का निर्माण होगा एवं भावनात्मक तथा सांस्कृतिक एकता की भावना संपुष्ट होगी।

ii) **कौशल/अभ्यास संबंधी:**साहित्य और सिनेमा के बीच अंतर्संबंध स्थापित करते हुए छात्रों के भीतर सिनेमाई शिल्प एवं भाषा के प्रति समझ विकसित होगी. सिनेमाई कला की संरचनात्मक विशिष्टताएं (संपादन,छायांकन,निर्देशन,ध्वनी रचना,पटकथा लेखन) एवं उसके विकास यात्रा से सम्बंधित जानकारी छात्रों को दी जायेगी . सूचना एवं प्रौद्योगिकी के विकास के साथ ही वर्तमान समय में सिनेमा ने अपने दायरे का विकास भी किया है। अतः विभिन्न माध्यमों मे इसके स्वरुप और इसकी संरचनात्मक विशिष्टताओं की ओर भी छात्रों का विकास किया जाएगा

ii) **नियोजन/रोजगार संबंधी:**डिजिटल रूप से दृश्य श्रव्य कंटेंट निर्माण कर रहे केन्द्रों में

विभिन्न फिल्म प्रोडक्शन हाउसेस में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में जहां फिल्म अध्ययन एवं फिल्म निर्माण से जुड़े विभाग हैं।

फिल्म डिवीज़न,एन एफ डी सी एवं षी एस बी टी एवं अन्य संस्थाओं के माध्यम से विभिन्न विषयों पर वृत्तचित्र निर्माण करना। वर्तमान समय में डिजिटल फिल्म निर्माण मे स्वरोजगार की कई संभावनाएं हैं।

10. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में):			कौशल विकास गतिविधियाँ (Skill Development Activities)	कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		कक्षा-शिक्षण/ व्याख्यान (ऑफलाइन/ ऑनलाइन)	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/क्षेत्र-कार्य(Interaction/ Training/ Laboratory/Field Work)			
मॉड्यूल-1	-कला संरक्षण की आवश्यकता -सिनेमा के संरक्षण की प्रक्रिया	8	3	2		13	20
मॉड्यूल-2	भारत के प्रमुख कला संरक्षण संबंधी संस्थाएं -संगीत नाटक अकादमी -इंदरागांधी राष्ट्रीय कला केंद्र	8	3	2		13	20
मॉड्यूल-3	-राष्ट्रीय फिल्म अभलेखागार - राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम	14	3	2		19	40

	-पब्लिक सर्विस ब्रॉडकस्टिंग ट्रस्ट						
मॉड्यूल-4	फिल्म डिवीज्न ऑफ इंडिया -फिल्म -टेलीविजन संस्थान -दूरदर्शन	10	3	2		15	20
योग		**40**	**12**	**8**		**60**	**100**

टिप्पणी: माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक (Topic) और किसी शीर्षक के अंतर्गत एक या एक से अधिक उपशीर्षक (Sub topic) होसकते हैं।

11. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केन्द्रित अभिगम,कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि,विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण,शिक्षा आधारित एप का प्रयोग,ई पी जी पाठशाला की सहायक सामग्री का प्रयोग
उपादान	• कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान • ट्यूटोरियल/संवाद • प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य • कौशल विकास गतिविधियाँ • अन्य (विवरण दें)

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Dept. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M.G.A. Hindi Vishwavidyalaya, WARDHA

12.अपेक्षित अधिगम परिणाम(Course Learning Outcomes-CLOs): भारत के कला संबंधी संस्थानों की जानकारी देना

13. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम कीमैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix):

कार्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8...
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	x	x	x					

* उपलब्ध लक्ष्य के कॉलम में () चिह्न लगाएँ।

14. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (30%)			सत्रांत परीक्षा (70 %)
घटक	संगोष्ठी पत्र	सत्रांत पत्र	
निर्धारित अंक	15	15	
पूर्णांक	30		70

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

**विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M.G.A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

15.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ/स्रोत(Textbooks/References/Resources):

क्र.सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	**Introduction to Documentary,Bill Nicholas,Indiana University Press,2017**
2	संदर्भ-ग्रंथ	**Documenting the Documentary:Close readings of documentary film and Video,Barry Keith Grant,Wayne State University Press,1998**
3	ई-संसाधन	
4	लिंक	
5	अन्य	

8.पाठ्यचर्या-विन्यास(Design of the Course): BFS 801

पाठ्यचर्या का नाम(Name of the Course): **रूपांतरण**

पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course): **BFS 801**

क्रेडिट(Credit):04

सेमेस्टर(Semester):अष्टम

पाठ्यचर्या विवरण(Description of the Course): सिनेमा का अन्य कलाओं के साथ सामंजस्य भी है और अंतर भी । कहानी , उपन्यास ,दारी एवं कविता से सिनेमा प्रदर्शन के स्तर पर भिन्न है । फिर भी ये सभी साहित्यिक विधाएँ सिनेमा को साहित्य के पास एक ओर भाव-दशा, पात्रों ,वास्तुकला,परिवेश तथा संवेगात्मक स्थितियों का दृशयात्मक विवरण है तो दूसरी ओर कलाकारों की भाव भंगिमा का विस्तृत चित्रणहै । साहित्य और सिनेमा के बीच अंत्संबह स्थापित करना इस पाठ्यचर्या का उद्देश्य है ।

9.अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs): (Programme Learning Outcomes)

(विभाग स्नातक कार्यक्रम के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख अधिकतम 200 शब्दों में करेगा।)

i) **ज्ञान/बोध संबंधी**: कला की भारतीय अवधारणा से सम्बंधित ज्ञान अर्जित करना.सिनेमाई कला के सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व को समझते हुए छात्रों के भीतर इसके प्रति समझ और विवेक विकसित करना जिसके फलस्वरूप छात्रों के भीतर बेहतर जीवन मूल्यों का निर्माण होगा एवं भावनात्मक तथा सांस्कृतिक एकता की भावना संपुष्ट होगी ।

ii) **कौशल/अभ्यास संबंधी**:साहित्य और सिनेमा के बीच अंतर्संबंध स्थापित करते हुए छात्रों के भीतर सिनेमाई शिल्प एवं भाषा के प्रति समझ विकसित होगी. सिनेमाई कला की संरचनात्मक विशिष्टताएं(संपादन,छायांकन,निर्देशन,ध्वनी रचना,पटकथा लेखन) एवं उसके विकास यात्रा से सम्बंधित जानकारी छात्रों को दी जायेगी . सूचना एवं प्रौद्योगिकी के विकास के साथ ही वर्तमान समय में सिनेमा ने अपने दायरे का विकास भी किया है। अतः विभिन्न माध्यमों मे इसके स्वरुप और इसकी संरचनात्मक विशिष्टताओं की ओर भी छात्रों का विकास किया जाएगा

ii) **नियोजन/रोजगार संबंधी**:डिजिटल रूप से दृश्य श्रव्य कंटेंट निर्माण कर रहे केन्द्रों में
विभिन्न फिल्म प्रोडक्शन हाउसेस में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में जहां फिल्म अध्ययन एवं फिल्म निर्माण से जुड़े विभाग हैं।
फिल्म डिवीज़न,एन एफ डी सी एवं पी एस बी टी एवं अन्य संस्थाओं के माध्यम से विभिन्न विषयों पर वृत्तचित्र निर्माण करना। वर्तमान समय में डिजिटल फिल्म निर्माण मे स्वरोजगार की कई संभावनाएं हैं।

10. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में):			कौशल विकास गतिविधियाँ (Skill Development Activities)	कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		कक्षा-शिक्षण/ व्याख्यान (ऑफलाइन/ ऑनलाइन)	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/क्षेत्र-कार्य(Interaction/ Training/ Laboratory/Field Work)			
मॉड्यूल-1	-रूपान्तरण क्या है -रूपान्तरण प्रक्रिया -निर्देशक और लेखक की अवधारणा आउटर (Auteur) सिद्धान्त	10	2	0	3		25
मॉड्यूल-2	-कहानी क्या है -कहानी से पटकथा निर्माण -उपन्यास के तत्व -उपन्यास से पटकथा	10	2	0	3		25

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M.G.A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

	निर्माण -जीनी के तत्व -जीवनी से पटकथा निर्माण						
मॉड्यूल-3	-तीसरी कसम -चारूलता -शतरंज के खिलाडी का अध्ययन	20	4	0	6		50
योग		40	8	0	12	60	100

टिप्पणी: माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक (Topic) और किसी शीर्षक के अंतर्गत एक या एक से अधिक उपशीर्षक (Sub topic) होसकते हैं।

11. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केन्द्रित अभिगम ,कक्षागत व्यवख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्यख्यान विधि ,विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	• कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान • ट्यूटोरियल/संवाद • प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य • कौशल विकास गतिविधियाँ • अन्य (विवरण दें)

12.अपेक्षित अधिगम परिणाम(Course Learning Outcomes-CLOs):

- साहित्य और सिनेमा में अंतरसंबंध
- साहित्य को सिनेमा को रूपांतरित करना

13. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम कीमैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix):

कार्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8...
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X						

* उपलब्ध लक्ष्य के कॉलम में () चिह्न लगाएँ।

14. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (30%)			सत्रांत परीक्षा (70 %)
घटक	संगोष्ठी पत्र	सत्रांत पत्र	
निर्धारित अंक	15	15	
पूर्णांक	**30**		**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M.G.A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

15.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भग्रंथ/स्रोत(Textbooks/References/Resources):

क्र.सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	साहित्य और सिनेमा: अंत: संबंध और रूपांतरण (2014)- विपुल कुमार मनीष पब्लिकेशन, सोनिया विहार: दिल्ली. • पटकथा लेखन, फीचर फिल्म – उमेश राठौरतक्षशिला' प्रकाशन, नई दिल्ली • कथा-पटकथा– मन्नू भंडारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली। • Writings on cinema and literature by Satyajit Ray
2	संदर्भ-ग्रंथ	• शर्मा , विजया ,साहित्य और सिनेमा ,वाणी प्रकाशन • राही मासूम रज़ा ,सिनेमा और संस्कृति,वाणी प्रकाशन • दो गुलफ़ामों की तीसरी कसम, अनंत ,कीटक प्रकाशन
3	ई-संसाधन	आय सी टी आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ईपीजी पाठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान, फिल्म स्क्रीनिंग इत्यादि
4	लिंक	-
5	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

8. पाठ्यचर्या-विन्यास(Design of the Course): BFS 802

पाठ्यचर्याका नाम(Name of the Course): फिल्म अध्यम में शोध -II

पाठ्यचर्याकाकोड(Code of the Course): BFS 802

क्रेडिट(Credit):**4**

सेमेस्टर(Semester): अष्टम

पाठ्यचर्या विवरण(Description of the Course):फिल्म अध्ययन में शोध के माध्यम से छात्र फिल्म अध्ययन से जुड़ी शोध प्रविधि एवं शोध सामग्री के संकलन के बारे में जानेगा

9.अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs): (Programme Learning Outcomes)

(विभाग स्नातक कार्यक्रम के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख अधिकतम 200 शब्दों में करेगा।)– वृत्तचित्र का बोध होगा

कथा फिल्में और वृत्तचित्र के बीच अंतरसंबंध वृत्तचित्र के प्रकार

i) **ज्ञान/बोध संबंधी**: कला की भारतीय अवधारणा से सम्बंधित ज्ञान अर्जित करना.सिनेमाई कला के सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व को समझते हुए छात्रों के भीतर इसके प्रति समझ और विवेक विकसित करना जिसके फलस्वरूप छात्रों के भीतर बेहतर जीवन मूल्यों का निर्माण होगा एवं भावनात्मक तथा सांस्कृतिक एकता की भावना संपुष्ट होगी।

ii) **कौशल/अभ्यास संबंधी**:साहित्य और सिनेमा के बीच अंतर्संबंध स्थापित करते हुए छात्रों के भीतर सिनेमाई शिल्प एवं भाषा के प्रति समझ विकसित होगी. सिनेमाई कला की संरचनात्मक विशिष्टताएं (संपादन,छायांकन,निर्देशन,ध्वनी रचना,पटकथा लेखन) एवं उसके विकास यात्रा से सम्बंधित जानकारी छात्रों को दी जायेगी . सूचना एवं प्रौद्योगिकी के विकास के साथ ही वर्तमान समय में सिनेमा ने अपने दायरे का विकास भी किया है। अतः विभिन्न माध्यमों मे इसके स्वरुप और इसकी संरचनात्मक विशिष्टताओं की ओर भी छात्रों का विकास किया जाएगा

ii) **नियोजन/रोजगार संबंधी**:डिजिटल रूप से दृश्य श्रव्य कंटेंट निर्माण कर रहे केन्द्रों में

विभिन्न फिल्म प्रोडक्शन हाउसेस में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में जहां फिल्म अध्ययन एवं फिल्म निर्माण से जुड़े विभाग हैं।

फिल्म डिवीज़न,एन एफ डी सी एवं पी एस बी टी एवं अन्य संस्थाओं के माध्यम से विभिन्न विषयों पर वृत्तचित्र निर्माण करना। वर्तमान समय में डिजिटल फिल्म निर्माण मे स्वरोजगार की कई संभावनाएं हैं।

10. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में):				कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		कक्षा-शिक्षण/ व्याख्यान (ऑफलाइन/ ऑनलाइन)	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/क्षेत्र-कार्य(Interaction/ Training/ Laboratory/Field Work)	कौशल विकास गतिविधियाँ (Skill Development Activities)		
मॉड्यूल-1	-शोध सामग्री स्रोत एवं संकलन –सामग्री संकलन के प्रकार	10	3	2		15	25
मॉड्यूल-2	-हस्त लिखित एवं अप्रकाशित सामग्री	10	3	2		15	25
मॉड्यूल-3	साक्षात्कार संलाप एवं प्रश्नावली	10	3	2		15	25
मॉड्यूल-4	-सामग्री की प्रामाणिकता का परीक्षण /मूल्यांकन -प्रथम कच्चा आलेख एवं मूल शोध प्रबंध -उपसंहार एवं संदर्भ सामग्री	10	3	2		15	25
योग		**40**	**12**	**8**		**60**	**100**

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

11. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केन्द्रित अभिगम,कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि,विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण,शिक्षा आधारित एप का प्रयोग,ई पी जी पाठशाला की सहायक सामग्री का प्रयोग
उपादान	• कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान • ट्यूटोरियल/संवाद • प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य • कौशल विकास गतिविधियाँ • अन्य (विवरण दें)

12.अपेक्षित अधिगम परिणाम(Course Learning Outcomes-CLOs):

(पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करते हुए संपूर्ण कार्यक्रम के लिए उसकी उपयोगिता/अनिवार्यता स्पष्ट करें। - 200 शब्दों से अनधिक)

- छात्र कला संरक्षण की अवधारणा से परिचित हो सकेगा
- भारत के कला संरक्षण संबंधी संस्थानों का ज्ञान अर्जित कर सकेगा।

13. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम कीमैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix):

कार्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8...
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	x	x	-	-				

* उपलब्ध लक्ष्य के कॉलम में () चिह्न लगाएँ।

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

14. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)			सत्रांत परीक्षा (70 %)
घटक	संगोष्ठी पत्र	सत्रांत पत्र	
निर्धारित अंक	15	15	
पूर्णांक	30		70

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

*विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

15.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ/स्रोत(Textbooks/References/Resources):

क्र.सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	शोध पद्धति ,सी .आर. कोठारी ,न्यू ऐज इंटरनेशनल 2019
2	संदर्भ-ग्रंथ	• संचार एवं मीडिया शोध (2015)-डॉ. विनीता गुप्ता, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली • शोध प्रविधि ,मैथिली प्रसाद भारद्वाज ,आधार प्रकाशन
3	ई-संसाधन	
4	लिंक	
5	अन्य	

8.पाठ्यचर्या-विन्यास (Design of the Course): BFS 803

पाठ्यचर्या का नाम(Name of the Course): **वृत्तचित्र**

पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course):**BFS 803**

क्रेडिट(Credit): 04

सेमेस्टर(Semester):तृतीय

पाठ्यचर्या विवरण(Description of the Course): वृत्तचित्र कथा फिल्मों से भिन्न है। हालांकि आज के दौर में वृत्तचित्र और कथा फिल्मों के बीच की सीमाएं खंडित हो रहीं हैं। इसी के क्रम में वृत्तचित्र की विभिन्न अवधारणाएँ ,आंदोलन ,शैलियाँ एवं फ़िल्मकार का अध्ययन इस पाठ्यचर्या में किया जाएगा। कथा फिल्में और वृत्तचित्र के बीच अंतरसंबंध एवं वृत्तचित्र के प्रकार भी इसका अंग होगा।

9.अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs): (Programme Learning Outcomes)

i) **ज्ञान/बोध संबंधी**: कला की भारतीय अवधारणा से सम्बंधित ज्ञान अर्जित करना.सिनेमाई कला के सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व को समझते हुए छात्रों के भीतर इसके प्रति समझ और विवेक विकसित करना जिसके फलस्वरूप छात्रों के भीतर बेहतर जीवन मूल्यों का निर्माण होगा एवं भावनात्मक तथा सांस्कृतिक एकता की भावना संपुष्ट होगी।

ii) **कौशल/अभ्यास संबंधी:**साहित्य और सिनेमा के बीच अंतर्संबंध स्थापित करते हुए छात्रों के भीतर सिनेमाई शिल्प एवं भाषा के प्रति समझ विकसित होगी. सिनेमाई कला की संरचनात्मक विशिष्टताएं (संपादन,छायांकन,निर्देशन,ध्वनी रचना,पटकथा लेखन) एवं उसके विकास यात्रा से सम्बंधित जानकारी छात्रों को दी जायेगी . सूचना एवं प्रौद्योगिकी के विकास के साथ ही वर्तमान समय में सिनेमा ने अपने दायरे का विकास भी किया है। अतः विभिन्न माध्यमों मे इसके स्वरुप और इसकी संरचनात्मक विशिष्टताओं की ओर भी छात्रों का विकास किया जाएगा

ii) **नियोजन/रोजगार संबंधी:**डिजिटल रूप से दृश्य श्रव्य कंटेंट निर्माण कर रहे केन्द्रों में

विभिन्न फिल्म प्रोडक्शन हाउसेस में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में जहां फिल्म अध्ययन एवं फिल्म निर्माण से जुड़े विभाग हैं।

फिल्म डिवीज़न,एन एफ डी सी एवं पी एस बी टी एवं अन्य संस्थाओं के माध्यम से विभिन्न विषयों पर वृत्तचित्र निर्माण करना। वर्तमान समय में डिजिटल फिल्म निर्माण मे स्वरोजगार की कई संभावनाएं हैं।

10. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में):				कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		कक्षा-शिक्षण/ व्याख्यान (ऑफलाइन/ ऑनलाइन)	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/क्षेत्र - कार्य(Interaction/ Training/ Laboratory/Field Work)	कौशल विकास गतिविधियाँ (Skill Development Activities)		
मॉड्यूल-1	-वृत्तचित्र क्या है -वृत्तचित्र की विभिन्न अवधारणाएँ -वृत्तचित्र का विस्तृत इतिहास(डाइरैक्ट सिनेमा,सिनेमा वेरिटे)	10	2	0	3		25
मॉड्यूल-2	वृत्तचित्र के प्रकार -पार्श्व स्वर आधारित -अवलोकन आधारित सहभागिता आधारित -रेफ्लेक्सिव -कवितामय	15	2	0	3		30
मॉड्यूल-3	-वृत्तचित्र का निर्माण करने वाले प्रमुख	10	4	0	6		25

अध्यक्ष / Head
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film & Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

	फ़िल्मकार (ड्जिगा वेर्तोव,रोबर्ट फ्लाहेर्टी,बेर्ट हेंस्ल)और संस्थाएं -भारतीय फिल्म प्रभाग -पीएसबीटी						
मॉड्यूल-4	वृत्तचित्र की स्क्रिप्ट एवं प्रोपोसल	5					20
योग		**40**	**8**	**0**	**12**	**60**	**100**

टिप्पणी: माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक (Topic) और किसी शीर्षक के अंतर्गत एक या एक से अधिक उपशीर्षक (Sub topic) होसकते हैं।

11. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केन्द्रित अभिगम ,कक्षागत व्यवख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्यख्यान विधि ,विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी पठशाला सहायक सामग्री का उपयोग, श्यामपट्ट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	• कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान • ट्यूटोरियल/संवाद • प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य • कौशल विकास गतिविधियाँ • अन्य (विवरण दें)

12.अपेक्षित अधिगम परिणाम(Course Learning Outcomes-CLOs):

-वृत्तचित्र का विस्तृत इतिहास जान सकेगा

-वृत्तचित्र के प्रमुख संस्थाओं एवं आंदोलनों से परिचित हो सकेगा

13. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम कीमैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix):

कार्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8...
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	x	x						

* उपलब्ध लक्ष्य के कॉलम में () चिह्न लगाएँ।

14. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

	आंतरिक मूल्यांकन (30%)		सत्रांत परीक्षा (70%)
घटक	संगोष्ठी पत्र	सत्रांत पत्र	
निर्धारित अंक	15	15	
पूर्णांक	30		70

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

**विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत दो सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

अध्यक्ष / HEAD
प्रदर्शनकारी कला (फिल्म और नाटक) विभाग
Deptt. of Performing Arts (Film&Theatre)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
M. G. A. Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

15.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ/स्रोत(Textbooks/References/Resources):

क्र.सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• वृत्तचित्त लेखन एवं फिल्म तक़नीक(2016)- सुशील गौतम,प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार: नयी दिल्ली. • Documentary: A History of the non-fiction Film by Erik Barnouw • A History of Narrative Film by David A. Cook • Documentary Display: Re-visiting Nonficton Film and Video by Keith Beattie • Documentary Films in India: Critical Aesthetics at Work by Aparna Sharma
2	संदर्भ-ग्रंथ	• A Fly in the Curry: Independent Documentary Film in India by K. P. Jayshankar • Filming Reality: The Independent Documentary Movement in India by Shoma A. Chatterjee•
3	ई-संसाधन	आय सी टी आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग , ईपीजी पाठशाला एवं यू-ट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान, फिल्म स्क्रीनिंग इत्यादि
4	लिंक	-
5	अन्य	कक्षागत नोट्स का प्रयोग

8. पाठ्यचर्या-विन्यास(Design of the Course): BFS 804

पाठ्यचर्या का नाम(Name of the Course): परियोजना कार्य

पाठ्यचर्या का कोड(Code of the Course): BFS 804

क्रेडिट(Credit)**:4**

सेमेस्टर(Semester): अष्टम

पाठ्यचर्या विवरण(Description of the Course):छात्र एक विषय पर विभाग के अध्यापक के मार्गदर्शन में परियोजना कार्य प्रस्तुत करेगा।

9.अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs): (Programme Learning Outcomes)

(विभाग स्नातक कार्यक्रम के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख अधिकतम 200 शब्दों में करेगा।)– वृत्तचित्र का बोध होगा

कथा फिल्में और वृत्तचित्र के बीच अंतरसंबंध वृत्तचित्र के प्रकार

i) **ज्ञान/बोध संबंधी**: कला की भारतीय अवधारणा से सम्बंधित ज्ञान अर्जित करना.सिनेमाई कला के सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व को समझते हुए छात्रों के भीतर इसके प्रति समझ और विवेक विकसित करना जिसके फलस्वरूप छात्रों के भीतर बेहतर जीवन मूल्यों का निर्माण होगा एवं भावनात्मक तथा सांस्कृतिक एकता की भावना संपुष्ट होगी।

ii) **कौशल/अभ्यास संबंधी**:साहित्य और सिनेमा के बीच अंतर्संबंध स्थापित करते हुए छात्रों के भीतर सिनेमाई शिल्प एवं भाषा के प्रति समझ विकसित होगी. सिनेमाई कला की संरचनात्मक विशिष्टताएं (संपादन,छायांकन,निर्देशन,ध्वनी रचना,पटकथा लेखन) एवं उसके विकास यात्रा से सम्बंधित जानकारी छात्रों को दी जायेगी . सूचना एवं प्रौद्योगिकी के विकास के साथ ही वर्तमान समय में सिनेमा ने अपने दायरे का विकास भी किया है। अतः विभिन्न माध्यमों मे इसके स्वरुप और इसकी संरचनात्मक विशिष्टताओं की ओर भी छात्रों का विकास किया जाएगा

ii) **नियोजन/रोजगार संबंधी**:डिजिटल रूप से दृश्य श्रव्य कंटेंट निर्माण कर रहे केन्द्रों में

विभिन्न फिल्म प्रोडक्शन हाउसेस में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में जहां फिल्म अध्ययन एवं फिल्म निर्माण से जुड़े विभाग हैं।

फिल्म डिवीज़न,एन एफ डी सी एवं पी एस बी टी एवं अन्य संस्थाओं के माध्यम से विभिन्न विषयों पर वृत्तचित्र निर्माण करना। वर्तमान समय में डिजिटल फिल्म निर्माण मे स्वरोजगार की कई संभावनाएं हैं।

10. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of theCourse):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में):				कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		कक्षा-शिक्षण/ व्याख्यान (ऑफलाइन/ ऑनलाइन)	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला/क्षेत्र-कार्य(Interaction/ Training/ Laboratory/Field Work)	कौशल विकास गतिविधियाँ (Skill Development Activities)		
मॉड्यूल-1	छात्रों द्वारा विषयों का चयन	10	3	2		15	25
मॉड्यूल-2	चयनित विषयों का प्रारूप	10	3	2		15	25
मॉड्यूल-3	प्रारूप के आधार पर फिल्ड वर्क -भारत में आयोजित अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में सहभागिता	10	3	2		15	25
मॉड्यूल-4	संकलन एवं प्रस्तुति	10	3	2		15	25
योग		**40**	**12**	**8**		**60**	**100**

11. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	शिक्षार्थी केन्द्रित अभिगम,कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली का प्रयोग
विधियाँ	व्याख्यान विधि,विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि का प्रयोग
तकनीक	आई सी टी आधारित शिक्षण,शिक्षा आधारित एप का प्रयोग,ई पी पाठशाला की सहायक सामग्री का प्रयोग
उपादान	• कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान • ट्यूटोरियल/संवाद • प्रयोगशाला/स्टूडियो/क्षेत्रकार्य • कौशल विकास गतिविधियाँ • अन्य (विवरण दें)

12.अपेक्षित अधिगम परिणाम(Course Learning Outcomes-CLOs):

(पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करते हुए संपूर्ण कार्यक्रम के लिए उसकी उपयोगिता/अनिवार्यता स्पष्ट करें। - 200 शब्दों से अनधिक)

13. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम कीमैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix):

कार्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8...
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	x	x	x					

* उपलब्ध लक्ष्य के कॉलम में () चिह्न लगाएँ।

14. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

15.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ/स्रोत(Textbooks/References/Resources):

क्र.सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	लिंक	
5	अन्य	